MPHIN/2021/83938

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः 30 | ग्वालियर,7 दिसम्बर, गुरुवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रवाना किए चलित दीनदयाल रसोई केन्द्र

चलित रसोई केन्द्र से चार शहरों में 5 रूपए में गरीब और जरूरतमंद लोगों को मिलेगा भरपेट भोजन

भोपाल ।मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट पार्क से चलित दीनदयाल रसोई केंद्र झंडी दिखाकर रवाना किए। ये चलित केंद्र भोपाल और अन्य शहरों के उन स्थानों पर जाकर श्रमिकों और अन्य जरूरतमंद लोगों को पाँच रुपए में भरपेट भोजन उपलब्ध करवाएंगे, जहां ये लोग कार्य करते हैं। प्रदेश के अन्य नगरों में भी चलित केंद्र संचालित किए जायेंगे।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय दरिद्र को ही भगवान मानते थे। उनका मानना था कि यदि दरिद्र की सेवा की तो यह समझ लेना कि भगवान की पूजा कर ली। पंडित दीनदयाल जी के इस मंत्र को स्वीकार करते हुए दरिद्र नारायण की सेवा के लिए मध्यप्रदेश में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन्हीं में से एक योजना है दीनदयाल रसोई योजना। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस योजना के प्रारंभ करने के दो प्रमुख उद्देश्य हैं। एक यह कि रियायती दर पर गरीब व्यक्ति को भोजन मिल सके, दूसरा प्रवासी श्रमिक और अन्य जरूरतमंद नागरिकों को कार्य स्थल के नजदीक भरपेट भोजन की सुविधा मिल सके। इस व्यवस्था से ऐसे मजदूर जो गांव से शहर आकर जीविका चलाते हैं, उन्हें अधिक राशि और समय खर्च किए बिना उनके काम करने की जगह पर ताजा भोजन उपलब्ध हो जाएगा। पूर्व में संचालित केन्द्र एक स्थान पर ही होते थे। चलित रसोई केन्द्र सिर्फ 5 रूपए में भोजन उपलब्ध करवाएंगे। मजदूरों द्वारा अन्य स्थानों पर भोजन के लिए जाने पर उनकी मजदूरी का पैसा भोजन में ही खर्च हो जाता था। खून-पसीने की कमाई को श्रमिक बंधु सिर्फ भोजन के लिए खर्च कर देते थे। राज्य सरकार ने योजना में प्रति व्यक्ति 10 रूपए के मान से अनुदान देने की व्यवस्था की है।

योजना एक नजर में-प्रदेश में 7 फरवरी 2017 में यह योजना जिला मुख्यालयों और 6 प्रमुख धार्मिक स्थानों को मिलाकर 56 स्थानों पर संचालन के साथ प्रारंभ की गई थी। वर्तमान में 166 स्थानों पर योजना का संचालन किया जा रहा है। योजना में प्रदेश में सवा दो सौ लाख भोजन थालियों का वितरण किया जा चुका है। प्रदेश में 25 चलित रसोई केंद्र प्रारंभ हुए हैं। एक चलित केंद्र की लागत 25 लाख रुपए है। इसमें खाना तैयार करने और गर्म खाना रखने के आधुनिक उपकरण भी रहेंगे। इन केन्द्रों में 5 रूपए थाली की दर से सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक भोजन का वितरण किया जाता है। प्रदेश में 10 लाख से अधिक आबादी वाले जिन नगरों में चलित केन्द्र शुरू हुए हैं उनमें भोपाल में 3, इंदौर में 4, जबलपुर, ग्वालियर में दो-दो चलित रसोई केंद्र शामिल हैं। शेष 12 नगर निगमों और 2 औद्योगिक नगरों पीथमपुर एवं मंडीदीप में एक-एक चलित रसोई केन्द्र का संचालन शुरू किया गया है। शीघ्र ही 20 हजार से अधिक आबादी वाले 68 नगरीय निकायों में भी इस तरह के रसोई केन्द्र शुरू करने की योजना है। चलित केन्द्रों में हीटर, मिक्सर, ग्राइंडर जैसे आधुनिक उपकरण भी लगे हैं, जो खाना तैयार करने और उसे गर्म रखने में उपयोगी हैं। आवश्यक बर्तनों की व्यवस्था भी की गई है। वाहनों को विभिन्न क्षेत्रों में भेजने के लिए समय-सारणी बनाई गई है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग को इस योजना के संचालन के लिए बधाई दी। प्रारंभ में आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री भरत यादव ने स्वागत उद्बोधन दिया और योजना के संबंध में जानकारी दी। भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय, जन-प्रतिनिधि, आयुक्त जनसंपर्क श्री मनीष सिंह और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

वसुंधरा राजे ने मुख्यमंत्री पद पर चर्चा के बीच BJP केंद्रीय नेतृत्व से साफ कर दिया अपना रुख, किया था शक्ति प्रदर्शन

राजस्थान के मुख्यमंत्री पद को लेकर सस्पेंस बरकरार है. इस बीच सूत्रों ने बताया है कि पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व को पार्टी लाइन के साथ रहने का भरोसा दिया है. उन्होंने कहा कि पार्टी के फैसले के साथ रहेगी. सूत्रों के मुताबिक, राजे आज रात दिल्ली पहुंच सकती हैं, आलाकमान ने बातचीत के लिए उन्हें बुलाया है.दरअसल, ऐसी चर्चा है कि बीजेपी राज्य में इस बार नए चेहरे को मौका दे सकती है. तीन दिसंबर को आए नतीजे के एक दिन बाद ही दो बार मुख्यमंत्री रह चुकीं वसुंधरा राजे ने 25 विधायकों के साथ मुलाकात की. इसे राजे के शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा गया.

सांसदों का इस्तीफा-इस बीच बुधवार (6 दिसंबर) को राजस्थान के राजसमंद की सांसद दीया कुमारी, जयपुर के सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा ने सांसद पद से इस्तीफा दे दिया.सूत्रों के मुताबिक, अलवर के सांसद बाबा बालकनाथ भी जल्द ही पद से इस्तीफा देंगे. बीजेपी ने राजस्थान के सात सांसदों को विधानसभा चुनाव टिकट दिया था, इनमें से दीया कुमारी, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, किरोड़ी लाल मीणा और बालकनाथ ने जीत दर्ज की.इस्तीफे के बाद दीया कुमारी ने बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की. उन्होंने कहा कि जेपी नड्डा से मुलाकात कर विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनावों में बीजेपी की प्रचंड विजय की शुभकामनाएं प्रेषित की.

PoK पर बयान को लेकर अमित शाह पर भड़के फारूक अब्दुल्ला, फौज को डायवर्ट न करता तो...

संसद में शीतकालीन सत्र के दौरान बोलते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने पीओके मुद्दे को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू पर निशाना साधा था, जिसके बाद लोकसभा में कांग्रेस और बीजेपी सांसदों के बीच नोक-झोंक शुरू हो गई. इसके बाद कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट कर दिया. इसे लेकर अब जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने अमित शाह पर पलटवार किया.फारूक अब्दुल्ला ने कहा, ÷यह सब सियासत है. आप उस वक्त जिंदा नहीं थे, आप उस समय पैदा नहीं हुए थे. उस समय क्या स्थिति वह आपको पता नहीं है. उस समय पूंछ और राजौरी को बचाने के लिए फौज को डायवर्ट कर दिया गया, ताकि ये दोनों जगह बच जाएं. आज पुंछ और राजौरी अगर भारत का हिस्सा हैं तो उसी मेहरबानी से है, नहीं तो वह भी पाकिस्तान में चला गया होता. उस समय जो स्थिति के अनुसार इसके अलावा कोई और रास्ता नहीं था.÷

कश्मीर का माहौल हुआ और खराब-उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि वे लोगों से झूठ बोल रहे हैं. जब फारूक अब्दुल्ला से पूछा गया कि क्या कश्मीर का माहौल पहले से बेहतर हुआ है? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, ÷कश्मीर का माहौल पहले से भी ज्यादा खराब कर दिया गया

पाँचवें सबसे बड़े तेल उत्पादक देश यूएई में हो रहे कॉप28 से अपेक्षायें

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी दुबई में हो रहे क्लाइमेट चेंज कॉन्फ्रेंस में दुनिया भर के 200 देशों के सरकारी प्रतिनिधि, कार्यकर्ता और सिविल सोसायटी के प्रतिनिधि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग से निपटने के तरीकों पर चर्चा कर रहे हैं. बैठक की शुरुआत में ही दो महत्वपूर्ण परिस्थितियां स्पष्ट रूप से सामने है कि हम तेज़ी से जलवायु आपदा की तरफ़ बढ़ रहे है और सरकारी स्तर पर इससे निबटने के लिए किए जाने वाले प्रयास नाकाफ़ी है.यह जलवायु को लेकर यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कन्वेन्शन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) की कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज की 28वीं बैठक है, इसलिए इसे कॉप28 नाम दिया गया है. कॉप की सालाना बैठक की अवधारणा 1992 के रियो पृथ्वी सम्मेलन में बनी और 1995 मे कॉप1 के रूप में बर्लिन में वजूद में आया और तब से एक-दो साल छोड़ कर हर साल आयोजित होता रहा है. इस साल यूएई की अध्यक्षता में 28 नवंबर से 12 दिसंबर तक आयोजित किया गया है. शुरुआती सालों में कॉप का आयोजन छोटे स्तर पर होता था. लेकिन, जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन की विभीषिका सामने आती गयी और उसके रोकथाम के लिए किये गए प्रयास नाकाफी साबित होते गए, जलवायु परिवर्तन का ये इस सालाना बैठक महत्वपूर्ण होता गया. ऐसी ही शुरुआती दौर में ही एक बैठक 'कॉप8' तत्कालीन प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारत में 2002 में आयोजित हुई थी, जो यूरोपियन संघ के क्योटो प्रोटकाल

के प्रति नकारात्मक रवैए के लिए जाना जाता है. हालांकि तब भी मुद्दा ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के लिए ज़रूरी कटौती के साल पर विकसित और विकासशील देश के बीच विभेदित ज़िम्मेदारी का ही था.वैश्विक जलवायु संगोष्ठी के विगत 27 संस्करणों में कई महत्वपूर्ण पड़ाव आए, जिसमें मुख्य रूप से कॉप-3 जहां से तत्कालिक क्योटो प्रोटोकॉल और कॉप-21 जहां से पेरिस जलवायु समझौते का प्रारूप सामने आया. हालांकि, क्योटो प्रोटोकॉल विकसित देशों के अड़ियल रुख और आपसी खींचतान में असफल साबित हुआ. यहां तक कि क्योटो प्रोटोकॉल की विफलता के बाद भी पेरिस समझौता भी पश्चिम के नकारात्मक रुख़ का शिकार होता था है, जिसमें 2017 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा समझौते से कदम वापस खींच लेना शामिल हैं. रुख अभी भी उसी ढर्रे पर है, पर विगत कुछ वर्षों में जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों जैसे भीषण गर्मी, जंगल को आग, बाढ़, चक्रवाती तूफ़ान आदि से अब विकसित देश खुद ही बड़े स्तर पर परेशान हो रहे है. वही विकासशील देश बदलते वैश्विक परिदृश्य में जलवायु परिवर्तन के रोकथाम के प्रयास को 'क्षमता के अनुसार समान परंतु विभेदित उत्तरदायित्व के सिद्धांत' के लिए प्रभावी संगठनों जैसे ब्रिक्स, के माध्यम से और मुखर हो रहे है.पिछले दो हंगामेदार ग्लासगो और शर्म-अल-शेक कॉप और वहा प्रभावित देशों के दबाव में लिए गए निर्णयों के आधार पर 28 को जलवायु प्रतिबद्धताओं पर कार्य करने और जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों को रोकने के लिए क्षमता के अनुरूप समान परन्तु विभेदित उत्तरदायित्व के सिद्धांत पर आधारित एक अहम बैठक माना जा रहा है.जलवायु परिवर्तन से बचाव संबंधी बातचीत और समझौते मेंक्षमता के अनुरूप समान परन्तु विभेदित उत्तरदायित्व का सिद्धांत सभी देशो के लक्ष्य निर्धारण में सहायता करता है. इस बैठक में 2015 पेरिस समझौते को लागू करने में वैश्विक प्रगति का पहला आकलन भी हो रहा है

कांग्रेस के पूर्व सांसद बोले-दिग्विजय और कमलनाथ का अहंकार कांग्रेस पर पड़ा भारी

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव में परास्त हुई कांग्रेस को हार के कारण की तलाश है. मगर अब कांग्रेस के से जुड़े रहे कई नेता ही प्रदेश के नेतृत्व पर सवाल खड़े कर रहे हैं. कांग्रेस से बागी होकर चुनाव लड़ने वाले पूर्व सांसद प्रेमचंद गुड्डू ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह) और कमलनाथ पर निशाना साधा है. उनका कहना है कि दोनों नेताओं के अहंकार की वजह से कांग्रेस को मध्य प्रदेश में हार का सामना करना पड़ा है.मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में इस बार कांग्रेस को बड़ी शिकस्त का सामना करना पड़ा है. इतनी बड़ी पराजय का कांग्रेस नेताओं को जरा भी ज्ञान नहीं था.अब हार का ठीकरा कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह पर फोड़ा जा रहा है. कांग्रेस से सांसद और दो बार विधायक रहे प्रेमचंद गुड्डू ने कांग्रेस की हार का कारण पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कमलनाथ का अहंकार करार दिया है.प्रेमचंद गुड्डू ने से चर्चा के दौरान कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कार्यकर्ताओं की बात नहीं सुनी. उन्होंने अपनी मर्जी से टिकट वितरण की किया. यदि कांग्रेस थोड़ा चिंतन मनन करती तो शायद कुछ और सीट मिल सकती थी. उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भी अपने कई रिश्तेदारों को टिकट दिलवा दिया. उनके भाई-भतीजे सहित सात रिश्तेदार चुनाव हार चुके हैं. परिवारवाद के कारण भी कांग्रेस को काफी नुकसान उठाना पड़ा है.

मध्य प्रदेश में आज दिखेगा 'मिचौंग' तूफान का असर, सर्द हवाओं के साथ बारिश के आसार

मध्य प्रदेश के मौसम के मिजाज में आज फिर बदलाव देखने को मिलेगा. बंगाल की खाड़ी में दो दिसंबर को उठे तूफान 'मिचौंग' का असर आज मध्य प्रदेश में देखने को मिलेगा. तूफान के असर की वजह से सर्द हवाएं चलेंगी, तो वहीं बारिश की भी संभावना मौसम विभाग ने जताई है. इधर आज सुबह से भोपाल, रीवा, ग्वालियर और चंबल संभाग के साथ ही टीकमगढ़, छतरपुर, निवाड़ी जिले में कोहरा रहा.

BJपकी जीत में लाडली बहनों का योगदान नहीं? CM बनने की चाह में इन नेताओं ने अलापा शिवराज से अलग राग

मध्य प्रदेश में बीजेपी की बंपर जीत के बाद अब सीएम पद को लेकर खींचतान चल रही है. मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में उतरे केंद्रीय नेता सीएम पद की मंशा रख रहे हैं. इस मंशा को लेकर वह दिल्ली की दौड़ लगा रहे हैं. तो वहीं, इस जीत में लाडली बहनों के योगदान को भी वे सिरे से खारिज कर रहे हैं. इन नेताओं के अनुसार प्रदेश की जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दम पर ही हुई है.मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव की 3 दिसंबर को हुई मतगणना में बीजेपी को बंपर जीत मिली है. इस चुनाव में बीजेपी ने 163 सीटें जीती है, जबकि 2018 के चुनाव में बीजेपी का यह सफर 109 सीट पर रुक गया था. चुनाव के बाद अब अगला सवाल यह है कि अगला सीएम कौन. सीएम बनने की चाह रखने वाले दिल्ली की दौड़ लगा रहे हैं. सीएम बनने के लिए वे पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दे रहे हैं जबकि राजनीति जानकार बीजेपी की इस जीत में लाडली बहनों का अहम योगदान मान रहे हैं.

किस बीजेपी नेता ने क्या कहा-सीएम शिवराज सिंह चौहान- ये बीजेपी की डबल इंजर सरकार का चमत्कार है. समाज के अलग-अलग वर्गों की जीत है. लाडली लक्ष्मी से लेकर लाडली बहना तक का जो सफर मध्यप्रदेश ने तय किया है, वो अद्भुत है.

सीएम केजरीवाल ने दिल्ली जल बोर्ड का कैग से ऑडिट कराने का दिया निर्देश, बोले- भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दिल्ली जल बोर्ड में भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक ऑडिट का आदेश दिया है. साथ ही सीएम केजरीवाल ने कहा कि भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जा सकता. मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों के मुताबिक, केजरीवाल ने जल बोर्ड के पिछले 15 साल के सीएजी ऑडिट का आदेश दिया है. यह आदेश बोर्ड में अनियमितताओं को लेकर उठ रहे सवालों के मद्देनजर आया है. सूत्र ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता.भारतीय जनता पार्टी और जल बोर्ड में कथित

आम आदमी पार्टी के बीच दिल्ली अनियमितताओं को लेकर पिछले महीने से खींचतान चल रही है. हाल ही में दिल्ली जल बोर्ड में घोटाले का आरोप लगाते हुए बीजेपी ने यह सवाल पूछा था कि क्या दिल्ली सरकार ईमानदारी से इस घोटाले की सीबीआई जांच कराएगी? क्या केजरीवाल सरकार अपने मंत्री और दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष पर केस दर्ज कराएगी? केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी और दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने जल बोर्ड में लगभग 3,237 करोड़ रुपये का घोटाला उजागर करने का दावा किया था. साथ ही इसके लिए दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को जिम्मेदार ठहाराया था.

बेंगलुरु एवं मेरठ से डॉक्टरों की टीमने सिविल अस्पताल सबलगढ़ का किया ओचक निरीक्षण

सबलगढ़।। शासन के लक्ष्य कार्यक्रम के तहत बेंगलुरु व मेरठ से आए डॉक्टरों ने मंगलवार को सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया उनके आने से पहले पूरे अस्पताल परिसर को कुछ समय चमका दिया गया और टीम के चले जाने के बाद मरीज के बिस्तरों पर बिछाए गएनये चादर भी हटा दिए गए वहीं वाटर आर ओकी कैनजो पानी पीने के लिए रखी गई थी वह भी उठा ली गई अस्पताल प्रबंधन का यह रवैया नगर में चर्चा का विषय बना हुआ है यहां और भी बता दे कि लक्ष्य कार्यक्रम के तहत मंगलवार को बेंगलुरु के डॉक्टर नागपाल एवं मेरठकी डॉक्टर प्रीति मित्तल सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण करने पहुंची थी अस्पताल के प्रबंधनबीएमओको पूर्व से ही इस टीम कैआने की सूचना थी इसलिए हॉस्पिटलकी अत्यधिक बदसूरती को बदल दिया गया है तुरंत मरीजों की सुविधा के लिए चलित कुर्सियां और स्ट्रक्चर भी मांगे गए वहीं पीने के लिए वाटर आरो रखवाया गया इसके अलावा जनरल वार्ड में बिस्तरों पर नए चादर लगवाई गई इस दौरान प्रत्येक डॉक्टर ड्रेस में नजर आ रहे थे जो डॉक्टर हॉस्पिटल में उपस्थित नहीं थे और वाटर आरओको भी हटा दिया गया हॉस्पिटल वही पुरानेहालात पर आ गया इस दौरान निरीक्षण

उनको भी अस्पताल प्रबंधन ने मौखे पर बुला लियाऐसा लग रहा था कि अस्पताल के लिए आने वाले मेहमान सब कुछ हैं मरीज उनके सामने कुछ भी नहीं लेकिन यह स्थिति तभी तक देखने को मिली जब तक टीम हॉस्पिटल में मौजूद रही इस टीम के चले जाने के बाद मरीजो के बिस्तरों से नई चादर टीमने मेटरनिटी वार्ड साफ सफाई ऑपरेशन थिएटर लेबर रूम व गर्भवती महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं को पूछा गया अस्पताल प्रबंधन के कर्मचारियों का कहना कि अस्पताल के अच्छे कार्यों को देखते हुए उनको टीम के द्वारा क्लीन चिटभी दी गई ऐसा बताया गया है

समुदाय स्वास्थ्य केंद्र मालनपुर में 55 महिलाओं नसबंदी 3 माह में प्रथम

दैनिक पुष्पांजली टुडे मालनपुर
मालनपुर उद्योग क्षेत्र मालनपुर नगर परिषद में शासकीय समुदाय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र माहिओ कि नसबंदी शिविर लगाया गया जिसमें मालनपुर अव्वल है भिंड जिले के मालनपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला नसबंदी शिविर प्रत्येक माह में लगाया जाता है जहां पर जिला भिंड सी एम एच ओ की देखरेख में चलता रहता है जो समूचे जिले में सबसे ज्यादा महिला नसबंदी की गई है इस स्वास्थ्य केंद्र अस्पताल प्रभारी डॉक्टर मोहनीश तोमर के निर्देशन में किया जा रहा है इस माह में 5 दिसंबर मंगलवार को एक दर्जन से अधिक महिलाओं नसबंदी की गई इसी तरह इन्हें मिलाकर 55 महिलाओं नसबंदी तीन माह में की गई है ज्ञात रहे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मालनपुर डॉक्टर एवं

चिकित्सा संबंधित स्टाफ की बहुत कमी है मध्य प्रदेश शासन द्वारा इस समुदाय स्वास्थ्य केंद्र पर ध्यान दें तो बड़ा अस्पताल बनाया जा सकता है इसका क्षेत्रफल एवं बाउंड्री गार्डन साफ सफाई की उचित व्यवस्था स्वयं समुदाय स्वास्थ्य भवन के प्रभारी डॉक्टर मोहनीश तोमर द्वारा कराई जाती है क्षेत्र की जनता की मांग है इस स्वास्थ्य केंद्र का विस्तार किया जाए तो अभी इमरजेंसी मरीज महिलाओं नेशनल हाईवे पर बढ़ती एक्सीडेंट घटनाओं का उपचार होने लगे क्योंकि सही उपचार मरीज को मिले जाए तो उसकी जान बचाई जा सकती है ग्वालियर जाते-जाते 20 किलोमीटर दूरी है और टोल बरैठा पर अधिकतर जाम में फंस जाते हैं इस सब व्यवस्थाओं को देखते हुए मालनपुर अस्पताल पर स्टाफ नर्स महिला स्टाफ एवं तीन अन्य चिकित्सा व्यवस्था की जाए एक डॉक्टर के हवाले चल रहा है लगभग पूरे क्षेत्र की 55हजार की आबादी वाला अस्पताल

भारतीय जनता पार्टी के नव निर्वाचित लहार विधायक अम्बरीष शर्मा का प्रथम आगमन आज

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- भारतीय जनता पार्टी के नव निर्वाचित विधायक अम्बरीष शर्मा का गुरुवार को दबोह नगर में प्रथम आगमन हो रहा है।अपने चहेते विधायक की अगुवानी के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ साथ जन मानस भी अपने अपने स्तर पर तैयारी में जुट गए हैं।यहां बता दे कि अम्बरीश शर्मा गुड्डू भैया के विधायक बनने के बाद पहली बार आज दिनांक 07/12/2023 को विधानसभा भ्रमण करते हुए शाम 04 बजे दबोह पहुंचेंगे।भाजपा विधायक आज भिंड से लेकर आलमपुर तक एक रोड शो के माध्यम से जनमानस से मुलाकात करेंगे।जिसकी व्यापक तैयारी प्रांरभ हो गई हैं।जिस दौरान उनका कदम कदम पर कार्यकर्ताओं व आमजनता के द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा।

नेशनल लोक अदालत की सफलता के लिए हुआ विधिक साक्षरता कायर्क्रम

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डलेश्वर के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देशानुसार 05 दिसंबर को सिविल न्यायालय परिसर भीकनगांव में 09 दिसम्बर 2023 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की सफलता, उत्साहवर्धन व प्रचार-प्रसार हेतु विधिक साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें सिविल न्यायालय भीकनगांव के न्यायाधीश श्री किशोर कुमार निनामा, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश भीकनगांव एवं श्री राकेश भिड़ व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड भीकनगांव, सुश्री साक्षी सुक्ला, ट्रेनी जज भीकनगांव द्वारा जनमानस को संबोधित करते हुए न्यायालयीन समझौता योग्य लंबित प्रकरणों के साथ-साथ बैंक, नगर पालिका, टेलीफोन, विद्युत आदि के प्रीलीटिगेशन प्रकरणों का भी निराकरण होना बताया। विद्युत, नगर पालिका जल कर एवं संपत्ति कर पर विशेष छुट दी जाने की बात कही तथा समझाईश दी गयी।

भीकनगांव में पल्स पोलिया अभियान की तैयारियों की समीक्षा हुई

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

10 दिसम्बर को पल्स पोलियों अभियान की तैयारियों के संबंध में आज 06 दिसंबर को भीकनगांव में अध्यक्ष एवं एसडीएम श्री बीएस कलेश की अध्यक्षता में ब्लॉक टॉस्क फोर्स की बैठक का आयोजन का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमति पुजा मालाकार, तहसीलदार श्री रविन्द्र सिंह चौहान, आई.सी.डी.एस. से श्री प्रविण नायक, पीडब्ल्यू.डी. से एसडी श्री कुमरावत, पी.एच.ई. से श्री भारत मुजाल्दे उपयंत्री, सीएमओ नगर पंचायत से सुश्री सोनीका मण्डलोई, एम.पी.ई.बी. से श्रीमति राधा वास्कले जेई, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी श्री राजेश तिवारी, बी.आर.सी. से श्री जे.सी. हिरवे, जल संसाधन विभाग से श्री बलिराम पाटीदार, एन.वी.डी.ए. से श्री भास्कर कोल्दे, उपस्थित थे। पल्स पोलियों अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए एसडीएम श्री कलेश ने निर्देशित किया कि स्कूल के बच्चों की रैली निकालना, होम वर्क कॉपी पर मैसेज लिखना, कचरा वाहन पर जिंगल बजाना, सभी पंचायत भवनों एवं ग्रामों में मुनादी कराना, सहायिका एवं कार्यकर्ताओं द्वारा मोबिलाईजेशन करवाना, वाहन व्यवस्था करना है। अभियान अन्तर्गत विद्युत कटौती कम करना सभी विभागों के प्रयास से शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया गया। जिसमें ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. विजय वर्मा द्वारा बच्चों का लक्ष्य 27733, घरों की संख्या 35569, वाहन संख्या 08, वैक्सीनेटर संख्या 448, सुपरविजन 21, बुथ संख्या 211 तथा प्लान के संबंध में जानकारी दी। संस्था के बीईई श्री गजानन लहाने एवं सेक्टर सुपरवाईजर श्री भगवान यादव उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जिले के विकास पर पत्रकारों से की चर्चा

निर्वाचन कार्य में सहयोग के लिए मीडिया का आभार व्यक्त किया

खरगोन जिले
मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने आज 06 दिसंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पत्रकारों से खरगोन जिले के विकास पर चर्चा की और उनके सुझावों को सुना। इस दौरान उन्होंने विधानसभा निर्वाचन-2023 शांतिपूर्वक संपन्न कराने में मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया और कहा कि जिले के विकास के संबंध में पत्रकारों द्वारा जो समस्याएं एवं सुझाव बताएं गए हैं उन पर कार्यवाही की जाएगी। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जेएस बघेल एवं एसडीएम श्री भास्कर गाचले भी उपस्थित थे।कलेक्टर श्री शर्मा से चर्चा के दौरान पत्रकारों ने खरगोन शहर में तिलक पथ पर लगाए जा रहे अंडे एवं मांस के ठेलों को रोकने की आवश्यकता बताई। खरगोन शहर

की यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए विभिन्न स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था बनाएं एवं पार्किंग स्थलों पर अतिक्रमण कर बनाई गई दुकानों को हटाने की आवश्यकता बताई। खरगोन नगर में बिस्टान रोड़ पर आवांटित जमीन पर ट्रांसपोर्ट नगर विकसित किए जाने की बात कही गई। पत्रकारों द्वारा बताया गया कि जिला चिकित्सालय की सफाई व्यवस्था में सुधार किये जाने की आवश्यकता हैं। कुंदा नदी की सफाई की जाना चाहिए। इसके लिए अभियान चलाने की जरूरत है। शहर की आवासीय कॉलोनियों में व्यवसायिक दुकानें संचालित की जा रही है इस पर रोक लगाने की आवश्यकता है। खरगोन शहर की ड्रेनेज व्यवस्था ठीक से काम नहीं कर रही है इस पर सुधार की आवश्यकता है। शहर के नालो की सफाई ध्यान देने की जरूरत है। खरगोन नगर पालिका की जलावर्धन योजना का कार्य अधूरा है इसे शीघ्र पूरा करने के प्रयास होना चाहिए। खरगोन नगर के लिए बाय पास की आवश्यकता है इसके लिए शीघ्र कार्यवाही

विधायक ने निकाली धन्यवाद यात्रा, कार्यकर्ताओं का उमड़ा जन सैलाब

सिरोंज
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज लटेरी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा ने 27682 वोटो से विजय प्राप्त की बुधवार को निर्वाचित विधायक उमाकांत शर्मा के द्वारा धन्यवाद यात्रा निकाली यात्रा बलेजा पेट्रोल पंप से प्रारंभ हुई जो की सुभाष नगर बजरिया नगर पालिका कोर्ट गेट सराफा बाजार चांदनी चौक मुख्य बाजार कठाली होती हुई चंद्रमोहन सभा गार मैं पहुंच कर संपन्न हुआकार्यकर्ताओं ओर भाजपा संगठन ने विशाल जुलूस निकाला। सनातन संस्कृति को इंगित करता हुए इस विशाल स्वागत जुलूस का नगर में जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने पूर्व मंत्री स्व.लक्ष्मीकांत शर्मा को याद करते हुए उनके सम्मान में नारे भी लगाए। जुलूस में शामिल डीजे पर जय श्री राम के सनातनी गीतों पर कार्यकर्ता जमकर थिरकते न?र आए। जगह जगह उत्साही नागरिकों ने आतिशबा?ी चलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। इस दौरान जुलूस में कार्यकर्ता देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित संगठन के वरिष्ठ नेतृत्व के चित्रों की तख्तियां हाथों में लेने के साथ केसरिया ध्वज थामे हुए थे।

सनातनी भेष में खुली जीप में सवार होकर निकले विधायक-
सनातनी वेशभूषा पहनकर खुली जीप में धन्यवाद यात्रा में शामिल हुए विधायक उमाकान्त शर्मा कार्यकर्ताओं का जोश और उत्साह देखकर खुद को भी नही रोक सके। खुली जीप में सवार होकर भी उन्होंने भगवा गीतों पर जमकर नृत्य किया तथा सभी कार्यकर्ताओं से मालाएं लेकर सम्मान ग्रहण भी किया और मार्ग में मिल रहे सामाजिक वरिष्ठ नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं का सम्मान भी किया। स्वागत जुलूस के पूरे मार्ग पर नगरवासियों ने विधायक उमाकान्त शर्मा को जोरदार स्वागत या।

दुलदुलघोडी ओर हवाई फायर रहे आकर्षण का केंद्र-जुलूस में दुलदुल घो?ी भी शामिल हुई। इस दौरान देशी ढपलो ओर ढोल की थाप पर क्षेत्र के दूर दराज से पहुँचे ग्रामीण एवं शहरी कार्यकर्ताओ शामिल होकर जमकर डांस कर अपनी खुशी का इजहार किया। वही जुलूस में शामिल हवाई फायर से रंगबिरंगी पन्नी की बरसात कर जुलूस में शामिल लोगों का स्वागत किया जा रहा था। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा उमाकांत शर्मा के समर्थक व प्रशंसक उपस्थित रहे 7

जगह-जगह हुआ स्वागत-
जुलूस प्रारंभ होने से ही स्वागत की बेला प्रारंभ हुई जिसमें सबसे पहले जनपद शिक्षा केंद्र , दुकानदारो , सामाजिक संगठनों के द्वारा फूल माला एवं मिठाई से स्वागत किया गया

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा के अंतर्गत तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

ब्यूरो रीपोर्ट दैनिक पुष्पांजली टुडे

पाटन/गुजरात। जीसीईआरटी गांधीनगर प्रेरित जिला शिक्षा एवं तालिम भवन पाटन में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य स्तर एवं जिलेके कुल 25 विशेषज्ञों ने पाठ्यक्रम बालवाटिकाओं और आंगनबाड़ियों में काम करने वाली बहनों को नई शिक्षा नीति के अनुसार प्रशिक्षित करने के लिए कोर्स डिजाइन किया गया है, जिसे आने वाले दिनों में दीक्षा प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन किया जाएगा। यह कोर्स छह महीने और एक साल के दो चरणों में आयोजित होगा, यानी जिन बहनों ने 12वीं कक्षा या उससे नीचे की पढ़ाई की है, जो वर्तमान में आंगनवाड़ी में काम कर रही हैं, उनके लिए एक साल का डिप्लोमा कोर्स ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा, जबकि जिन बहनों 12वीं पास हैं व स्नातक या उससे ऊपर की पढ़ाई पूरी की है 1 आंगनवाड़ी में उनके लिए छह महीने का डिग्री कोर्स दीक्षा प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध किया जाएगा। एक साल के कोर्स में कुल छह कोर्स रखे गए हैं जबकि छह महीने के कोर्स में कुल चार कोर्स रखे जाने हैं। इस कार्यशाला में जीसीईआरटी के रिसर्च एसोसिएट डॉ. अखिलभाई ठाकर और डायट पाटण प्राचार्य डॉ. पिंकीबेन रावल के मार्गदर्शन में राज्य कोर्स वर्क कार्यशाला का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण कार्यशाला का संकलन डॉ. पीनलबेन गोरडीया द्वारा किया गया।

वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट अनिवार्य

बगैर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के चलने वाले वाहन और वाहन मालिकों पर होगी चालानी और दण्डात्मक कार्यवाही

दैनिक पुष्पांजली टुडे
भिण्ड। उच्च न्यायालय के निर्देश पर 1 अप्रैल 2019 के पहले रजिस्टर्ड वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट अनिवार्य कर दिया गया है परिवहन आयुक्त के निर्देश पर वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने की अंतिम तारीख 15 दिसम्बर 2023 निर्धारित कर दी गई है 15 दिसम्बर के बाद बगैर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के चलने वाले वाहन और वाहन मालिकों के खिलाफ अभियान चलाकर चालानी और दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी इससे पहले परिवहन विभाग द्वारा जिले भर में अभियान चलाकर वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने के लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा परिवहन आयुक्त द्वारा निर्देश दिए गये हैं कि सभी वाहनों में 15 जनवरी 2024 तक हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट अनिवार्य रूप से लगा दिए जायें उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 के बाद रजिस्टर्ड हो रहे वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट पहले से ही लगाई जा रही हैं। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट में आसानी से और साफ नंबर दिखाई देगा नंबर प्लेट पंच होने से आसानी से कोई बदल नहीं सकेगा नंबर प्लेट से वाहन और वाहन की जानकारी आसानी से मिल जाएगी डुप्लीकेट नंबर प्लेट नहीं बन पाती है वाहन सुरक्षित रहता है नंबर प्लेट के ऊपर बाईं ओर नीले रंग का होलोग्राम होता है जिसके नीचे 10 अंक की स्थायी पहचान संख्या पिन की जाती है जिसे स्कैन करते ही वाहन की पूरी जानकारी मिल जाती है साथ ही पंजीकृत नंबरों पर हॉट स्टेप फिल्म लगी होती है जिसमें नीले रंग में शॉर्ट इंडिया लिखा होता है।

खौड गांव मे सूने मकान में चोरी की हुई वारदात

एलइडी टीवी चुराकर ले गये

पुष्पांजलि न्यूज़ नेटवर्क

जवाली खौड गांव के मीणो की ढाणी स्थित सूने मकान में चोरों ने चोरी की घटना को दिया अंजाम। प्राप्त जानकारी के अनुसार ढाणी स्थित कानाराम आदिवाल के मकान के अंदर से चोरों ने ताला तोड़कर बडी एलइडी टीवी व डीटीएच सेटअप बॉक्स चुराकर ले गये। चोरी की सूचना मिलते ही खौड़ पुलिस प्रभारी प्रहलादसिंह शेखावत समेत पुलिसकर्मिया ने चोरी की घटनास्थल का मौका मुआयना सुराग जुटाए। इस मौके पर कांस्टेबल राजेंद्र कुमार, कांस्टेबल मोहनलाल जाट, ओपाराम आदि ग्रामीण मौजूद है।

चतुर्थ अखिल भारतीय सीरवी समाज की खेलकूद प्रतियोगिता महाकुंभ का आगाज 25 दिसंबर से

दैनिक पुष्पाजंली टुडे / नारायणलाल सेंणचा

पाली। चतुर्थ अखिल भारतीय सीरवी समाज खेल प्रतियोगिता 2023-24 का आयोजन इस बार कुशालपुरा में स्थित मरूधर केशरी विद्यालय में होगा। क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन बेरा गोडवा मैदान में होगा।इस प्रतियोगिता में 15 प्रकार की गतिविधियां आयोजित होगी। जिसमें देशभर से सीरवी समाज के खिलाड़ी भाग लेगे। प्रतियोगिता 25 दिसंबर से प्रारंभ होगी और इसका समापन 29 दिसंबर को होगा। तरुण सीरवी ने बताया कि प्रतियोगिता में क्रिकेट, फुटबॉल, वालीबॉल शूटिंग पुरूष वर्ग तथा कबड्डी, खो खो, वालीबॉल स्मैश, टेबल टेंनिस सिंगल व डबल, बैडमिंटन सिंगल व डबल, एथलेटिक्स, मैराथन दौ?, चित्रकारी, फैशन शो राजस्थानी पोशाक, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण प्रतियोगिता पुरूष व महिला वर्ग दोनो में होगे। साथ ही रंगोली प्रतियोगिता महिला वर्ग में होगी। खेल प्रतियोगिता के संजोजक अगराराम चोयल ने कहा कि समाज की खेल प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करने, युवाओं में नेटवर्किंग बढ़ाने, उनकी खेल को प्रदर्शित करने तथा आपसी जुड़ाव बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता के सकारात्मक परिणाम मिलेगे। उन्होंने कहा कि समाज में एक से बढ़कर एक खेल प्रतिभा छुपी है और महाकुंभ उन प्रतिभाओं को तलाश- तलाशकर एक मजबूत मंच दिलाने को प्रतिबद्ध है। दुर्गाराम पंवार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में समाज के बड़ी संख्या में खिलाड़ी भाग लेगे। इस कार्यक्रम में सीरवी समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहेंगे।

कीटनाशकों का उपयोग एवं सावधानियां...

कीटनाशक रसायन मनुष्य के शरीर में मुंह त्वचा तथा श्वास के माध्यम से प्रवेश करते हैं जो की बेहद हानिकारक सिद्ध हो सकते हैं इसलिए कीटनाशकों का सुरक्षित एवं विवेक पूर्ण उपयोग हमें करना चाहिए एवं निम्न सावधानियां रखनी चाहिए ¤ कीटनाशक खरीदते समय- 1.कीटनाशक सिर्फ पंजीकृत डीलर से ही खरीदें जिसके पास वेध लाइसेंस हो 2.जितनी आवश्यकता हो उतना ही कीटनाशक खरीदें 3.कीटनाशकों के पैकेट पर मान्यता प्राप्त लेवल अवश्य देखें एवं लेवल पर बैच संख्या, पंजीकरण संख्या, मैन्युफैक्चर और एक्सपायरी तिथि भी देखें 4. कंटेनर में अच्छी तरह से पैक किए हुए कीटनाशक ही खरीदें ¤ संग्रहण- 1.कीटनाशकों का संग्रहण हमेशा घर से दूर करना चाहिए 2.कीटनाशकों का भंडारण मूल पैकिंग में ही करें 3.कीटनाशक और खरपतवार नाशक को अलग-अलग संग्रहित करना चाहिए 4.जिस स्थान पर कीटनाशकों को संग्रहित किया जाना है उस स्थान पर चेतावनी के संकेत दिए जाए 5.कीटनाशकों का संग्रहण हमेशा ऐसी स्थान पर करना चाहिए जो बच्चों और पशुओं की पहुंच के दूर हो 6.संग्रहण के स्थान पर सीधी धूप और बारिश का पानी नहीं पहुंचना चाहिए ¤ परिवहन- 1.कभी भी कीटनाशकों को खाद्य पदार्थ अथवा चारा या अन्य खाद्य वस्तुओं के साथ नहीं ले जाना चाहिए 2.परिवहन के दौरान कीटनाशकों को अलग-अलग रखें 3.कभी भी अधिक मात्रा में कीटनाशकों को अपने सिर, कंधे या पीठ पर ना ले जाए 4.इस्तेमाल वाले स्थान पर अधिक मात्रा में कीटनाशक पहुंचाने के लिए विशेष सावधानी अपनानी चाहिए ¤ छिड़काव के लिए घोल तैयार करते समय सावधानी- 1.साफ पानी का इस्तेमाल करें 2.अपने शरीर को कवर करने के लिए दस्ताने, मास्क, टोपी पूरी पेंट आदि का इस्तेमाल करें 3.छिड़काव की घोल से हमेशा अपनी नाक,आंख,कान और हाथों का बचाव रखें 4.इस्तेमाल करने से पहले कीटनाशकों के कंटेनर पर दिए गए दिशा निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लें 5.जितनी आवश्यकता हो उतना ही सामग्री तैयार करें 6.ठंडा और सही मौसम वाले दिन छिड़काव करना चाहिए 7.बारिश के तुरंत पहले और बारिश के तुरंत बाद छिड़काव नहीं किया जाना चाहिए 8.छिड़काव के लिए बताए गए स्प्रे उपकरण का इस्तेमाल करें 9.छिड़काव के बाद स्प्रे उपकरण और बाल्टियों को साबुन का इस्तेमाल कर साफ पानी से साफ कर लें 10.छिड़काव के तुरंत बाद उस स्थान पर पशु अथवा मजदूरों को प्रवेश नहीं करने देना चाहिए 11.हवा की विपरीत दिशा में छिड़काव नहीं करना चाहिए 12.कीटनाशकों को मिलाने के लिए उपयोग में लाई गई बाल्टी और कंटेनर को धोने के बाद ही घरेलू इस्तेमाल में लाया जाना चाहिए 13.सुरक्षात्मक कपड़ों के बिना घोल के छिड़काव के तुरंत बाद खेत में प्रवेश नहीं करना चाहिए 14.मधुमक्खियां खाद फसलों में परागण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है मधुमक्खियां के सक्रिय फोरेजिंग अवधि के दौरान स्प्रे ना करें ¤ उपकरणों का चयन- 1.सही प्रकार की नोजल का चयन करें 2.खरपतवार नाशक और कीटनाशक के छिड़काव के लिए अलग-अलग उपकरण का इस्तेमाल करें 3.. लीक अथवा खराब उपकरण का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए 4.बंद नोजल को अपने मुंह से साफ ना करें बल्कि किसी पुराने दांत साफ करने वाले ब्रश का इस्तेमाल करें ¤ छिड़काव करते समय सावधानी- 1 खाली पेट कीटनाशकों का छिड़काव नहीं करना चाहिए बताई गई मात्रा और पानी का ही इस्तेमाल करना चाहिए 2.कुछ भी खाने अथवा धूम्रपान करने से पहले हाथों और चेहरे को साबुन से अच्छी तरह से धो लेना चाहिए 3.जहर के लक्षण दिखने पर सर्वप्रथम प्राथमिक उपचार करें और डॉक्टर को दिखाएं डॉक्टर को खाली कंटेनर भी दिखाएं 4.बची हुई सामग्री को नाली या तालाब में नहीं बहाना चाहिए 5.कीटनाशकों के खाली कंटेनर को अन्य सामग्री के संग्रह के लिए इस्तेमाल नहीं करना चाहिए ¤ छिड़काव के बाद सावधानी- 1.छिड़काव के बाद बची हुई सामग्री को बंजर भूमि जैसे स्थान पर नष्ट करना चाहिए 2.इस्तेमाल में लिए गए कंटेनर हो या खाली कंटेनरों को तुरंत नष्ट कर देना चाहिए और उन्हें जल संसाधनों से दूर मिट्टी में गाढ़ देना चाहिए

पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट ने अनाधिकृत बीजा ऐजेंटों के खिलाफ याचिका स्वीकार की

करनाल-पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने अनधिकृत इमीग्रेशन एजेंटों के साथ इमीग्रेशन एजेंसी के लिए आहर्ता निर्धारित करने के साथ युवाओं को धोखाधड़ी से बचाने के लिए कानून बनाने के साथ अधिकृत वीज़ा एजेंटों की सूची जारी करने की मांग वाली एक जनहित याचिका को स्वीकार कर केंद्र सरकार के साथ-साथ पंजाब और हरियाणा की सरकारों को नोटिस भेज कर जबाब तलब किया है। पंजाब और हरियाणा में हाईकोर्ट में याचिका करनाल के समाजसेवी अरविंद कुमार ने पिछले दिनों जारी की थी। हरियाणा के करनाल के अरविंद कुमार एक कनाडा की अधिकृत संस्था से मान्यता प्राप्त परामर्शदाता हैं। याचिकाकर्ता के अनुसार, वह कनाडा की अधिकृत संस्था से मान्यता प्राप्त परामर्शदाता है। याचिका में उन्होंने आरोप लगाया है कि पंजाब और हरियाणा में, संबंधित राज्यों के उपायुक्त और पुलिस उप महानिरीक्षक वीजा एजेंटों को मंजूरी देते रहे हैं। जबकि लाइसैंस संबंधित देशों की इमीग्रेशन विभाग या वहां की नियामक संस्था द्वारा दिया जाता है । अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत, एजेंट या सलाहकार या किसी विशिष्ट देश के लिए वीजा पर काम करने वालों को उस देश के नियामक प्राधिकरण से उसके कानूनों का अनुपालन करते हुए लाइसैंस प्राप्त करना चाहिए। विशेष रूप से, अवैध वीज़ा एजेंटों के मुद्दे ने वीज़ा सुविधा प्रक्रियाओं की प्रामाणिकता और विश्वसनीयता के बारे में चिंता पैदा कर दी हैं। अनधिकृत आव्रजन एजेंटों में वृद्धि के साथ, वीजा चाहने वाले व्यक्तियों को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अधिकृत वीज़ा एजेंटों की सत्यापित सूची की कमी ने आवेदकों के बीच काफी असमंजस की स्थिति पैदा कर दी है, जिससे संभावित शोषण और वित्तीय जोखिम हो सकते हैं। विशेष रूप से पंजाब और हरियाणा क्षेत्र में ऐसे एजेंटों का प्रसार देखा गया है जो संबंधित देश से उचित मान्यता या अनुमोदन के बिना वीजा प्रक्रियाओं में सहायता करने का दावा करते हैं। इसके परिणामस्वरूप एक अराजकता की स्थिति पैदा हो गई है, जहां बिना सोचे-समझे आवेदक धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं, जिससे उनके वित्त और विदेश यात्रा की आकांक्षाएं दोनों खतरे में पड़ जाती हैं। उहेंने अनधिकृत एजेंटों के हाथों युवाओं को प्रताड़ित होने से बचाने के लिए पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट से गुहार लगाई गई थी। उनका कहना है कि इमीग्रेशन पालिसी के अनुसार जिस देश का वीजा लगवाने के लिए एजेंट काम करता है उसे संबंधित देश ही लाइसेंस दे सकता है। हाईकोर्ट ने एजेंटों के हाथों प्रताड़ित होने वाले युवाओं से जुड़ी जानकारी इस सुनवाई पर सौंपने का याची को आदेश दिया था। इस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने याचिका स्वीकार कर ली। संबंधित प्रतिवादी पक्षों से इस संबंध में जबाब मांगा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को मिली नई पहचान मीना देवी

पानीपत। केंद्र व राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ जन जन पहुंचने के उद्देश्य को लेकर प्रारंभ की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जिले के गांव उरलाना कलां व उरलाना खुर्द में जन संवाद कार्यक्रम का सोमवार को आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची मतलोडा ब्लॉक समिति की चेयरमैन मीना देवी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि भारत एक बार फिर विश्व गुरु बने। यह जन सहयोग के बगैर संभव नहीं है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि जिनको जो जिम्मेदारी मिली है उसे वे निष्ठापूर्वक निभाने का प्रयास करें। कार्यक्रम में पहुंचने पर उनका ग्रामीणों द्वारा बुके व शॉल भेंट करके स्वागत किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक समिति अध्यक्ष ने सभी अधिकारियों से अनुरोध किया कि कोई भी समस्या ऐसी ना रहे जिसका समय पर निदान ना हो। कार्यक्रम मे पहुंचे नागरिकों को भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने, गुलामी की मानसिकता को जड़ से उखाड़ने, देश की समृद्धि विरासत पर गर्व करने, भारत की एकता को सुदृर्ढ करने और देश की रक्षा करने वालों

का सम्मान करने ,नागरिक होने का कर्तव्य निभाने की शपथ दिलाई गई।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में उरलाना खुर्द में शामिल हुई

जिला परिषद की चेयरपर्सन ज्योति शर्मा ने कहा कि 2047 तक भारत का स्वरूप निश्चित रूप से अलग ही होगा। जिस प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बुलंदियों को छू रहा है उसे 2047 तक विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से आज अंतिम कड़ी के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने सभी ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे बच्चों में अच्छे संस्कार डालें ताकि वे अच्छे मार्ग पर चलकर देश की प्रगति में सहयोग प्रदान कर सके। कार्यक्रम की इस कड़ी में दोनों गांव में दर्जनों महिलाओं ने उज्जवला योजना के तहत मिले लाभ को लोगों के सामने रखा। इस मौके पर प्रशासन की तरफ से उन्होंने उन्हें गैस कनेक्शन भी दिए गए।

लोगों को जानकारी देने के लिए दोनों गाव के सरकारी स्कूलों में विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई। जिला परिषद की अध्यक्ष ज्योति शर्मा ब्लॉक समिति अध्यक्ष मीना देवी व एसडीएम अमित कुमार व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया व गांव के खिलाडियों, उत्कृष्ट कार्य करने वाले दर्जनो लोगो को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई जिसमे बेटी बचाओ ,पानी बचाओ ,नशा मुक्ति हरियाणा बनाओ का संदेश दिया गया। यात्रा की एलईडी वन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी का संदेश आमजन को सुनाया गया। ड्रोन का बेहतरीन तरीके से प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर एसडीएम अमित कुमार ,तहसीलदार अजय, बीडी पी सुरेंद्र,सुरेंद्र आर्य,रोशन महला , अनिल पंवार,सरपंच नोरांग,मुकेश के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

क्रीमीलेयर की आय सीमा आठ से बढ़ा कर बारह लाख करे सरकारः राकेश सैनी

करनाल। देश के महापुरुष संत शिरोमणि भगत सैन के 680 वीं जयंती समारोह में भाग लेने के लिए करनाल से सैकड़ो सैन समाज के लोग जींद के लिए रवाना हुए। इनकी अगुवाई सैन सभा करनाल के प्रधान राकेश सैन ने की। आज करनाल के भगत सैन चौक से सैकड़ों लोग बसों से रवना हुए। हरियाणा में पहली बार राज्य सरकार ने भगत सैन की जयंती पर बड़े राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इसको लेकर सैन समाज के लोगों में उत्साह दिखाई दिया। इस अवसर पर सैन सभा के प्रधान राकेश सैन ने कहा कि हरियाणा में मनोहर सरकार ने पहली बार कार्यक्रम कर इस समाज को सम्मानित किया है। उन्होंने बताया कि सैन समाज के साथ पिछड़े बर्ग के लोगों की मांग आरक्षण का फायदा लेने के लिए सालाना आय की आठ लाख रुपए की सीमा बढ़ा कर बारह लाख किया जाए। उन्होंने बताया कि सैन समाज के को सभी जिलों में धर्मशालाओं और छात्रावास के लिए रियायती दरों में जमीन दिलाई जाए। उन्होंने बताया कि सरकार राजनीतिक नियुक्तियों में सैन समाज को प्रतिनिधत्व देने के साथ कैशा कला बोर्ड का फिर से गठन करने की मांग पुमुख ळैं। इसा अवसरपर अनिल राहड़ा और विनोद सैन ने कहा कि सैन समाज को जो राजनीतिक दल सम्मान देगा उन्हें चुनवों में टिकिट वितरण में स्थानदेगा उसकी का समर्थन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भाजपा पिछड़े बर्ग का पूरा सम्मान कर रही है। इस अवसर पर ढोल नगाड़ों के साथ करनाल से सैन समाज का कफिला जींद के लिए रवाना हुआ। इस अवसर पर गोपी राम, डा. जयभगवान, विकास सैन, चमैल सिंह, विनोद सांभली, सूबे सिंह, जगदीश अनिल राहड़ा ओमप्रकाश काला, राज सिंह ऊंचा समाना, सुरेश कुमार, मदन लाल, राम दास जनक राज, रवि कुमार ,जितेंद्र शास्त्री आदि उपस्थित थे।

7000 से अधिक लड़कियां सीख रहीं आत्मरक्षा के गुर

यमुनानगर। राज्यभर में चल रहे रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रोग्राम के अंतर्गत सभी सरकारी स्कूलों में लड़कियों को आत्मरक्षा यानी सेल्फ डिफेंस का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह कार्य पंचकूला की संस्था शास्त्राग मार्शल आर्ट कर रही है। पूरे राज्य के सभी जिलों में यह कार्य समग्र शिक्षा अभियान की देखरेख में चलाया जा रहा है। जिला यमुनानगर में यह कार्य जिला परियोजना अधिकारी कैलाश कुमारी और डॉ. धर्मवीर की देखरेख में यमुनानगर के कोऑर्डिनेटर विकास बमणिया की अगवाई में चलाया जा रहा है। कोऑर्डिनेटर विकास बमणिया के अनुसार जिले की लगभग 7000 लड़कियां इस प्रोजेक्ट का लाभ उठा रही है और आत्मरक्षा के गुर सीख रही हैं। विकास बमणिया यमुनानगर डिस्ट्रिक्ट कराटे एसोसिएशन के उप महासचिव और शहर की बमणिया मार्शल आर्ट अकेडमी के संचालक और मुख्य कोच हैं। उन्होंने बताया कि जिला यमुनानगर के 186 सरकारी स्कूलों में यह प्रोग्राम चलाया जाना है। जिसमें से 160 मिडिल, हायर और सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में यह कार्य प्रगति पर चल रहा है। स्कूलों में प्रशिक्षण देने के लिए जिले में लगभग 45 कोच हैं जिनमें 14 महिला और 31 पुरुष कोच को नियुक्त किया गया है।

फास्ट-फूड स्टाल व रेहड़ी संचालकों के पास नहीं दिखाई देगा कचरा

करनाल। फास्ट-फूड स्टाल व रेहड़ी संचालकों के पास अब कचरा दिखाई नहीं देगा। नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन टीम ने एक योजना के तहत मार्किट क्षेत्र में मौजूद फास्ट-फूड स्टाल व रेहड़ी-फड़ी लगाने वालों के पास जाकर उन्हें कचरा न फैलाने की शपथ दिलाई। शपथ की टैगलाईन- मेरा कचरा-मेरा जिम्मेदारी है यानि स्टाल के आस-पास साफ-सफाई रखना सम्बंधित स्टाल संचालक की जिम्मेदारी होगी। यह जानकारी उप निगम आयुक्त अरूण भार्गव ने दी। उन्होंने बताया कि स्टाल संचालक सुनिश्चित करेगा कि वह अपने कचरे को इधर-उधर फैलाने की बजाए उसे डस्टबिन या बोरे में इकठ्ठा करे और उसे कूड़ा एकत्रित करने वाले वाहन में ही डालें। उन्होंने बताया कि बीते शनिवार से यह योजना लागू की गई है। शहर की नेहरू पैलेस मार्किट से इसकी शुरूआत हो चुकी है। इसके अतिरिक्त कुंजपुरा रोड, सिविल अस्पताल चौक से आई.टी.आई. रोड वाया सैक्टर-12 लघु सचिवालय रोड, पर मौजूद सभी फास्ट-फूड स्टाल लगाने वालों को शपथ दिलाई गई और उनके स्टाल पर लिखित शपथ का स्टीकर भी चस्पा किया गया है। स्टीकर से स्टाल संचालक व खान-पान के लिए आए लोग, दोनो जागरूक रहेंगे। उन्होंने दुकानदारों को भी सचेत किया कि वह भी अपनी दुकान परिसर के आगे साफ-सफाई रखें। उन्होंने बताया कि योजना के तहत एक-एक बाजार का दौरा किया जाएगा और वहां मौजूद सभी खान-पान के स्टाल संचालकों को शपथ दिलाई जाएगी तथा स्टीकर भी चस्पा किया जाएंगे। इसके बाद अगर किसी स्टाल या रेहड़ी के आस-पास गंदगी दिखाई देती है तो उसका चालान किया जाएगा और स्टाल भी जब्त होगा। उप निगमायुक्त ने बताया कि स्टाल संचालकों को जागरूक किया गया है कि वह अपने कचरे को डस्टबिन या बोरे में एकत्र करके रखें। रात्रि करीब 10 बजे तक कूड़ा एकत्र

करने वाले वाहन बाजारों से कूड़ा इकठ्ठा करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई संचालक देर रात तक भी स्टाल लगाता है तो वह अपना कचरा इधर-उधर ना गिराकर उसे एक बोरे में एकत्र करके रख दें, प्रातः डोर टू डोर कूड़ा एकत्र करने वाले वाहन द्वारा उसे अवश्य उठाया जाएगा। उन्होंने सभी शहरवासियों से अपील करते कहा है कि शहर की सफाई व्यवस्था बेहतर बनाए रखने में नगर निगम का सहयोग करें। उन्होंने बताया कि योजना की शुरूआत कुंजपुरा रोड स्थित नेहरू पैलेस मार्किट से की गई।

पनौड़ी व कैमला गांव में विकसित भारत संकल्प यात्रा में उमडा जन सैलाब

घरौंडा/करनाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को मजबूत कर नई दिशा देने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदेश के हर वर्ग को मिल रहा है। यह बात विधायक हरविंद्र कल्याण ने घरौंडा हल्के के गांव पनौड़ी व कैमला में विकसित भारत संकल्प यात्रा संवाद कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा मुख्य अतिथि का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया व अपनी समस्याओं से संबंधित आवदेन विभागीय अधीकारियों को सौंपे। विकसित भारत संकल्प यात्रा में जिले के विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा दोनों ही गांवों में लगाए गए स्टॉलों का विधायक हरविंद्र कल्याण ने अवलोकन भी किया और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओ की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। विकसित भारत संकल्प यात्रा जन संवाद कार्यक्रम में विधायक ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की योजनाएं हर वर्ग के लिए कारगर साबित हो रही है, वर्तमान सरकार की शिक्षा नीति बेहतर है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल की कार्यशैली मैं नौकरियों के मामले में पर्ची व खर्ची पर पूरी तरह से लगाम लगी है। इसी तरह अन्य कार्यों में भी भ्रष्टाचार को खत्म करने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। खेलों के क्षेत्र में हरियाणा बुलंदियों को छू रहा है। उन्होंने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना व अंतिम श्रेणी तक के व्यक्ति को लाभ पहुंचाना मुख्य रूप से है। कार्यक्रम में जिन महिलाओं ने उज्वला योजना का लाभ लिया उन्हें सम्मानित भी किया गया। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं को दूर करने के लिए सरकारी विभाग द्वारा स्टॅल लगाए गए थे जिन पर भारी भीड़ रही।

लोगों ने अपनी समस्याओं से संबंधित पत्र विभिन्न विभागों के अध्यक्षों को भी दिए। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। स्कूल के बच्चों द्वारा हरियाणवी संस्कृति से जुड़े गीतों पर नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर कृषि विभाग द्वारा ड्रॉन उड़ाकर खेतों में ड्रोन छिड़काव के महत्व कि जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर तहसीलदार घरौंडा इंद्र सिंह, बीडीपीओ अशोक छिक्कारा, गांव की सरपंच सोनम गुप्ता के प्रतिनिधी के रूप में उनके पति राजबीर सिंह कैमला गांव के सरपंच राजपाल फौजी आदि।

जीएसटी और नोटबंदी सरकार के सबसे खराब फैसले : सुरेश गुप्ता

करनाल। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश गुप्ता की ओर से निकाली जा रही आजादी गौरव यात्रा का सदर बाजार एरिया में जोरदार स्वागत किया गया। यात्रा रघुनाथ मंदिर से ज्वाहर मार्केट सदर बाजार तक निकाली गई। इस दौरान सुरेश गुप्ता और कांग्रेस नेताओं ने दुकानदारों, महिलाओं व युवाओं से संवाद किए। लोगों ने देश के लोकप्रिय नेता राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, रणदीप सुरजेवाला, कुमारी शैलजा व किरण चौधरी के नेतृत्व में अपना विश्वास जताया। इस मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने कहा कि जब से जीएसटी लागू हुआ है दुकानदार और व्यापारियों को तब से नुकसान ही हो रहा है। व्यापार में कमी आई है। इसी प्रकार नोटबंदी देश की जनता के लिए सबसे बुरा फैसला साबित हुई। सरकार व्यापारियों को आर्थिक संकट से उबारने के लिए जीएसटी का सरलीकरण करे। दुकानदारों से संवाद के दौरान दुकानदारों ने मांग रखी कि उन्हें दुकानों का मालिकाना हक दिलाया जाए। बीते दिनों ने नगर निगम ने 26 दुकानदारों को मालिकाना हक प्रदान किया था। व्यापारियों ने गुड़मंडी को शिफ्ट करने की मांग की। इस पर सुरेश गुप्ता ने कहा कि मनोहर सरकार व्यापारी विरोधी सरकार है। कग्रिस की सरकार बनते ही गुड़मंडी को शिफ्ट करने का काम किया जाएगा। नगरपालिका के अधीन आने वाले दुकानों का मालिकाना हक सभी दुकानदारों को दिलवाया जाएगा। यात्रा के दौरान सुरेश गुप्ता युवाओं से भी मिले। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में बढ़ती बेरोजगारी युवाओं के लिए परेशानी का सबब है। निराश और हताश युवा नशे की ओर रूख कर रहा है। इसके लिए सरकार सीधे तौर पर जिम्मेवार है। इस अवसर पर सुखराम बेदी, संजीव कांबोज, जोगिंद्र वाल्मीकि, संजय चंदेल, किशन सोलंकी, धर्मवीर निर्वाण, विजय सैनी बिट्टू संधु, टोनी कक्कड़, रिंकल रोड़, राजिंद्र भोला व रामपाल आदि मौजूद रहे।

समाज के अंतिम व्यक्ति को खुशहाल बनाने का वरदान साबित होगी विकसित भारत संकल्प यात्राः संजय छोक्कर

पानीपत । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि समाज का अंतिम व्यक्ति खुशहाल बने और समाज के अंतिम व्यक्ति को खुशहाल बनाकर ही विकसित भारत की नींव को मजबूत किया जा सकता है। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य संजय छोक्कर ने गांव सनौली कला में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कही।

संजय छोक्कर ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति को खुशहाल बनाने में विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद वरदान साबित हो रही है। इस यात्रा से केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं से वंचित पात्र व्यक्ति लाभ उठाकर आगे बढ़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से सभी को बराबरी का हक दिया है उससे पूरे देश में आम जन में उनके प्रति सम्मान बड़ा है यही नहीं उन्होंने देश के मान को पूरे विश्व पटल पर अंकित किया है।

संजय छोक्कर ने इस मौके पर

उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए कहा कि समालखा हल्के को लेकर जिस तरह से मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने विगत 26 नवंबर को आयोजित समालखा की अनाज मंडी की रैली में दरियादिली दिखाई उसके लिए पूरी समालखा हल्के की जनता उनकी आभारी है। मुख्यमंत्री ने गरीब कन्याओं की शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए जो घोषणा की है उससे गरीब और वंचित परिवारों की लड़कियों को पढ़ाई आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देश बनाने में समाज के अंतिम व्यक्ति को अपना योगदान देना होगा। उन्होंने विभिन्न विभागों की तरफ से लगाए गए स्टॉलों की जानकारी भी हासिल की है। इस दौरान दर्जनों लोगों ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों से योजनाओं की जानकारी हासिल की और योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन भी दिया। उन्होंने ड्रोन के जरिए खेतों में यूरिया और डीएपी का छिड़काव करने की मॉक ड्रिल को भी देखा। कार्यक्रम में पहुंचने पर उनका गांव के मौजिज व्यक्तियों ने फूल-मालाओं और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया तथा स्कूल के विद्यार्थियों ग्रामीणों को हमारा संकल्प विकसित भारत की शपथ भी दिलवाई। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्कूली बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इसके अलावा विभिन्न स्कूली बच्चों की अनेक प्रतियोगिताएं भी करवाई गई। इस मौके पर संजय छोक्कर ने गांव के सरपंच को अभिनंदन पत्र भी सौंपा। इस दौरान उपस्थित जनसमूह को केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को लेकर एलईडी वैन के माध्यम से फिल्म भी दिखाई गई। इस मौके पर बीडीपीओ रितु लाठर, नायब तहसीलदार समालखा राहुल राठी, सिविल सर्जन डॉक्टर जयंत आहूजा ट्रैफिक मैनेजर पंकज पूनिया इत्यादि भी उपस्थित रहे।

बौद्ध स्तूप पर लगी विशेष फोकस लाइटें 4 माह से बंद

जगाधरी। जगाधरी से सटा प्राचीन गांव चनेटी देश-विदेश में विख्यात है। इसकी वजह यहां पर करीब 23 सौ बरस पुराना बौद्ध स्तूप है। जानकारी के अनुसार यहां बीते करीब 4 माह से बिजली की विशेष फोकस लाइटें बंद हुई हैं। इस बारे में वार्ड पार्षद देवेंद्र सिंह का कहना है कि इस बाबत नगर निगम के अधिकारियों से मिला जाएगा। प्राचीन बौद्ध स्तूप चनेटी पर प्रार्थना के लिए देश के अलावा तिब्बत, भूटान, बर्मा, थाईलैंड आदि देशों से समय-समय पर श्रद्धालु आते हैं। इनमें खासतौर पर बौद्ध अनुयायी होते हैं। इस समय स्तूप के चारों तरफ 29 लाइटें लगी हुई हैं। यहां पर आधा दर्जन के करीब विशेष फोक्स लाइटें भी लगी हुई हैं। गांव के अशोक कुमार, राजपाल सिंह, शिवकुमार आदि ने प्रशासन से स्तूप की इन लाइटों की रिपेयर कराने की मांग की है।

हर पात्र लाभार्थी तक पहुंच रही केन्द्र व राज्य सरकार सरकारः दीपा

पानीपत। देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू की गई है। इसमें आम जन की भूमिका सबसे अहम है। यह बात ब्लॉक समिति की चेयरपर्सन दीपा कुमारी ने सोमवार को गांव नन्हेड़ा में विकसित भारत संकल्प यात्रा में भाग लेते हुए उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई स्टॉलों का अवलोकन करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से शुरू किया गया देशव्यापी विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद कार्यक्रम देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के विजन को साकार करेगा। आज नागरिकों को योजनाओं को लाभ लेने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ रहे बल्कि मोदी - मनोहर सरकार लाभार्थियों के घर द्वार पर खुद पहुंच रही है। उन्होंने उपस्थित जन समूह को संकल्प विकसित भारत की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को ड्रोन का डेमोस्ट्रेशन भी दिखाया और बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी। दीपा कुमारी ने गांव के विभिन्न उत्कृष्ट छात्रों एवं विभिन्न प्रतिस्पर्धा में स्थान हासिल करने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया। इस मौके पर नायब तहसीलदार राहुल राठी, बीडीपीओ रितु लाठर,विभागीय अधिकारी तथा कर्मचारी और गणमान्य लोग तथा लाभार्थी मौजूद रहे।

जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निपटने के लिए भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाने व कृषि संसाधनों का उचित उपयोग जरूरी : प्रो. आर्थर सी. रिडेकर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर रहें, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा मौजूद रहें। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने समारोह की अध्यक्षता की।

जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निपटने के लिए भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाने व कृषि संसाधनों का उचित उपयोग जरूरी - प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर

फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर ने जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निपटने के लिए भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाने व कृषि संसाधनों का उचित उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कृषि उत्पादन

बढ़ाने के लिए भूमि, जल, ऊर्जा व श्रम जैसे संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भूमि उपयोग दक्षता के लिए उपयुक्त फसल चक्र का चुनाव, जल उपयोग दक्षता के लिए टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई तथा ऊर्जा उपयोग दक्षता के लिए ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन का कम करना व श्रम उपयोग दक्षता के लिए उपयुक्त मशीनीकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

पोषण सुरक्षा आधारित कृषि पद्धतियां समय की मांग - कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में बढ़ती आबादी की भलाई के लिए वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा पर चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करना है, जिसमें विद्यार्थी, शोधकर्ता व विदेशों से आए कृषि विशेषज्ञ मिलकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। खाद्य स्थिरता और स्वास्थ्य आपस में जुड़ी हुई अवधारणाएं हैं जो पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों पर भोजन के उत्पादन, उपभोग और प्रभाव से संबंधित हैं। इन दोनों पहलुओं को संतुलित करना, मुनष्य और पृथ्वी की भलाई के लिए आवश्यक है। स्थायी खाद्य प्रणालियां अक्सर पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के उत्पादन को बढ़ावा देती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। स्वास्थ्य का हमारे द्वारा खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से गहरा संबंध है। पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ, जैसे फल, सब्जियां, संपूर्ण अनाज और कम वसा वाले प्रोटीन, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने मदद करते हैं। न्यूटी-2023 सम्मेलन में वैश्विक पोषण सुरक्षा और कल्याण के लिए बाजरा, कृषि-व्यवसाय के लिए कृषि-उद्यमिता और उद्योग संबंध, जलवायु परिवर्तन, संरक्षण कृषि, टिकाऊ कृषि के लिए संसाधन प्रबंधन और एकीकृत खेती, फसल उत्पादन में जैविक और अजैविक तनाव प्रबंधन के तरीकें, प्राकृतिक व जैविक खेती, कृषि उत्पादन बढ़ाने में सूक्ष्म जीवों का योगदान मुख्य विषय रहेंगे।

अभियांत्रिकी आधारित तकनीक से कृषि क्षेत्र में कृषकों को सपंन्नता संभव - प्रो. सर्जिओ सी. कापारेडा

अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा ने अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन के बारे में बताया कि अभियांत्रिकी आधारित व वैज्ञानिक तकनीक की मदद से कृषि क्षेत्र में उन्नति व कृषकों को सर्पन्नता संभव है। उन्होंने कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए श्रीअन्न फसलों को छोटे जोत व कम भूमि वाले किसानों को भी फसल चक्र में शामिल करने व उपयोग करने के लिए जागरूक किया। उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान क्षेत्र में तकनीकी सहयोग से टिकाऊ खेती की स्थिरता को बनाने के लिए कार्बन कैप्चर, कार्बन क्रेडिट, कार्बन सिक्वसट्रेशन के साथ ही कृषि बाई-प्रोडेक्ट को कार्बन में परिवर्तित कर ऊर्जा पैदा करना मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि फसल उत्पादन के साथ ही बाई-प्रोडेक्ट जैसे की धान की पराली व अन्य फसलों के अवशेष को भी योजनाबद्ध तरीके से पशुपालन में उपयोग कर खेत में ही समायोजित करना साथ ही इसे कार्बन में परिवर्तित करना व जैव ईंधन के रूप में प्रयोग करना इत्यादि विषय में किसानों को प्रशिक्षित कर टिकाऊ खेती को बचाना समय की मांग है।

संपादकीय

लोकतंत्र की गारंटी

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के अप्रत्याशित परिणामों ने जहां हिंदी हृदय प्रदेश में भाजपा के वर्चस्व को स्थापित किया है, वहीं अगले वर्ष होने वाले आम चुनावों के महासमर के लिये विपक्षी इंडिया गठबंधन की चिंताओं को बढ़ा दिया है। इन चुनावों ने जहां राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ की जीत से भाजपा को ताकत दी है, वहीं तेलंगाना की हार ने बता दिया कि भाजपा के लिये दक्षिण भारत में आगामी आम चुनाव मुश्किल चुनौती बनने वाले हैं। इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि चुनाव जातिवाद, धर्म और अन्य संकीर्ण मुद्दों के बजाय विकास के मुद्दों पर लड़ा गया। विपक्ष की जातीय आधार पर सत्ता में हिस्सेदारी की बात को मतदाताओं ने तरजीह नहीं दी। वहीं भाजपा के सुनियोजित चुनाव अभियान, स्टार प्रचारक के रूप में नरेंद्र मोदी की स्वीकार्यता व कांग्रेस की संगठन की खामियों ने समीकरण बदले। निस्संदेह, केंद्र की सत्ता में काबिज भाजपा के डबल इंजन के नारे को तरजीह मिली है। वहीं एक निष्कर्ष यह भी है कि देश का मतदाता चुनावों में राष्ट्रीय दलों पर विश्वास जता रहा है। चारों राज्यों के चुनाव में क्षेत्रीय क्षत्रपों की उम्मीदों पर पानी फिरा है। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति यानी बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव की शिकस्त को इस दृष्टि से देखा जा सकता है। लेकिन वहीं भाजपा के लिये यह मंथन का समय भी है कि कांग्रेस फिर से दक्षिण भारत की पहली पसंद बनी हुई है। दक्षिण में पैर जमाने के लिये कर्नाटक व तेलंगाना गंवाने के बाद भाजपा को बहुत कुछ करना बाकी है। इस चुनाव का एक सार्थक संदेश यह है कि मतदाताओं ने भ्रष्टाचार व परिवारवाद को सिरे से खारिज किया है। बीआरएस के सफाये को इस उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि तेलंगाना की जनता ने 2013 में तेलंगाना राज्य गठन में महत्वपूर्ण योगदान के लिये कांग्रेस के प्रति आभार जताया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के रूप में पार्टी को नया उम्मीदों का चेहरा मिला है। बहरहाल, इन चुनाव परिणामों ने आम चुनाव की राह तय कर दी है। यही वजह है कि दिल्ली में भाजपा कार्यालय में आयोजित विजय समारोह में इस जीत को केंद्र सरकार की नीतियों व विकास कार्यक्रमों की जीत बताया गया। नरेंद्र मोदी ने चुनाव अभियान के उस वक्तव्य को दोहराया कि ' मोदी की गारंटी का मतलब होता है, गारंटी की गारंटी मिलना।' जाहिर बात है कि कई गारंटियां कांग्रेस ने भी दी थी लेकिन जनता का सकारात्मक प्रतिसाद मोदी की गारंटी को मिला। इसी उत्साह में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित विजय समारोह में नरेंद्र मोदी ने कहा– 'ये जीत की हैट्रिक, चौबीस की हैट्रिक की गारंटी है।' लेकिन एक बात जरूर है कि बिना मुख्यमंत्री के चेहरों को सामने रखे मध्यप्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में चुनाव जीतना इस बात का पर्याय है कि मोदी की छवि राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य बनी हुई है। बहरहाल, इस जीत में कैडर बेस्ड पार्टी होने का लाभ भाजपा को मिला है।

क्यों हारी कांग्रेस

अशोक कुमार सिंह

तेलंगाना में कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी का कहना है कि 20 साल की राजनीति में 15 साल वो विपक्ष में रहे हैं और इसने उन्हें जनता से जोड़ा है, नयी पहचान दी है। गौरतलब है कि एबीवीपी से राजनीति की शुरुआत करने वाले रेवंत रेड्डी टीडीपी में भी रहे और फिर कांग्रेस में आए।

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में चार के नतीजे 3 दिसंबर को आ गए। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक चार में से तीन राज्य भाजपा के खाते में और एक कांग्रेस के खाते में जा रहा है। यानी मुकाबला बीजेपी के नाम ही रहा है। तीन में से दो राज्य, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में पिछले पांच साल कांग्रेस की सरकार रही और अब अगले पांच साल के लिए सत्ता भाजपा के खाते में जा रही है। वहीं मध्यप्रदेश की सत्ता इस बार नैतिक तरीके से भाजपा के पास आ गई है। पिछली बार कांग्रेस के हाथों से भाजपा ने छल के जरिए सत्ता हथिया ली थी और विधानसभा चुनावों में यह बड़ा मुद्दा भी बना था। लेकिन जनता को शायद सरकार चुराने के इस खेल से खास फर्क नहीं पड़ा या फिर अन्य कारण कांग्रेस के खिलाफ काम कर गए और सत्ता पूरी तरह से भाजपा के हाथ में आ गई है। ये तीनों हिंदी पट्टी के राज्य हैं, और यहां भाजपा बरसों से कांग्रेस से मजबूत रही है।हिंदी पट्टी राज्यों में धर्म का कार्ड कैसे चलना है, इस की विशेषज्ञ भाजपा है। जबकि कांग्रेस उसकी नकल करने के चक्कर में पिट गई। जब लोगों को धर्म के आधार पर ही वोट देना है, तो वो असली छोड़, नकली माल की ओर क्यों देखेंगे। कांग्रेस पता नहीं कब इस बात को समझेगी कि सॉफ्ट हिंदुत्व से वो बीजेपी का मुकाबला नहीं कर पाएगी। बागेश्वरधाम जैसे बाबा के चरणों में सिर नवाने में किसी कांग्रेस नेता की निजी श्रद्धा हो सकती है, और ऐसा करके वह अपनी और अपने परिवार की जीत सुनिश्चित कर सकता है, लेकिन यहां पार्टी आलाकमान की जिम्मेदारी है कि वे पूछें कि इससे कांग्रेस का भला कैसे हो सकता है। जाहिर है कमलनाथ जैसे नेताओं की इस तरह की मनमर्जी पर आलाकमान रोक नहीं लगा पाया और इसका नतीजा कांग्रेस को भुगतना पड़ा है। इन नतीजों में भाजपा के लिए दक्षिण के दरवाजे एक बार फिर बंद हो गए हैं। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है। इन नतीजों की एक और व्याख्या ये है कि देश में दक्षिण और उत्तर भारत की मानसिकता का फर्क पूरी तरह सतह पर आ गया है। कांग्रेस ने जैसी गारंटियां कर्नाटक में दी थीं, वैसी ही तेलंगाना और छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी दी थीं। लेकिन इन गारंटियों का असर दक्षिण भारत में अलग हुआ और उत्तर भारत में अलग रहा। रोजगार, नौकरियों के लिए परीक्षाएं, सस्ता परिवहन, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा, किसानों, मजदूरों के हित, ओबीसी का हक ऐसे तमाम मुद्दों पर उत्तर और दक्षिण भारत की जनता की सोच अलग नजर आई।कर्नाटक के बाद तेलंगाना के लोगों ने कांग्रेस की विकासपरक सोच को धर्म के ऊपर तरजीह दी, लेकिन हिंदी पट्टी में धर्म बाजी मार गया। इन नतीजों में क्षत्रपों के रवैये ने भी कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया है। तेलंगाना में कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी का कहना है कि 20 साल की राजनीति में 15 साल वो विपक्ष में रहे हैं और इसने उन्हें जनता से जोड़ा है, नयी पहचान दी है। गौरतलब है कि एबीवीपी से राजनीति की शुरुआत करने वाले रेवंत रेड्डी टीडीपी में भी रहे और फिर कांग्रेस में आए। दो साल पहले ही उन्हें कांग्रेस की राज्य ईकाई की कमान मिली और अपने पर दिखाए इस भरोसे को उन्होंने गलत साबित नहीं होने दिया। तेलंगाना में बीआरएस, एआईएमआईएम और भाजपा की मिली–जुली घेराबंदी को तोड़ते हुए उन्होंने कांग्रेस को आगे निकाला। जाहिर है ये काम एक अकेले के बस का नहीं है, बल्कि पूरे संगठन को साथ लेकर चलने की क्षमता की जरूरत होती है। रेवंत रेड्डी ने इसी क्षमता का परिचय दिया। लेकिन छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्यप्रदेश में तीन की जगह केवल एक प्रतिद्वंद्वी यानी भाजपा से ही कांग्रेस को मुकाबला करना था, उसमें भी छत्तीसगढ़ और राजस्थान में तो उसकी अपनी सरकारें थीं, मगर फिर भी कांग्रेस यहां फेल हो गई, क्योंकि उसके क्षत्रपों ने पार्टी की जगह खुद को जरूरत से अधिक तवज्जो दे दी। पार्टी आलाकमान इन्हें साध नहीं पाया या इन क्षत्रपों का अहंकार पार्टी से बढ़कर हो गया, इसकी विवेचना खुद कांग्रेस को करनी होगी। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान, तीनों जगह कांग्रेस में बड़े पदों पर बैठे नेता भाजपा से अधिक एक–दूसरे से लड़ने में व्यस्त रहे। इस तरह कहा जा सकता है कि इन क्षत्रपों का अहंकार जीत गया, और पार्टी की हार या जीत से इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि फर्क पड़ता होता तो चुनाव के करीब आने पर एकता का दिखावा करने की जगह वे ईमानदारी से अपनी दरारें भरते, ताकि पार्टी को जीत मिलती। राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेता न आलाकमान के भरोसे पर खरे उतरे, न स्थानीय कार्यकर्ताओं के। वे केवल अपने अहंकारों की कसौटी पर खरे उतरे। अब ये कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के विचार करने का सवाल है कि इसके बाद इन राज्यों में कांग्रेस को सही अर्थों में वे कैसे पुनर्जीवित करेंगे और कैसे बेलगाम हो चुके नेताओं को काबू में रखेंगे। कांग्रेस की तीन राज्यों में हार का असर क्या अब इंडिया गठबंधन पर पड़ेगा या 2024 के चुनाव इससे किसी तरह प्रभावित होंगे, अभी ऐसे कुछ सवालों पर चर्चा चलेगी। हालांकि पिछले चुनाव के अनुभव यही बताते हैं कि राज्य जीतने के बावजूद कांग्रेस आम चुनाव हार गई थी। मुमकिन है इस हार से कांग्रेस की तंद्रा भंग हो और वो 2024 की रणनीति तैयार करने में इस बार हुई भूलों से सबक ले सके। अगर कांग्रेस तीन राज्यों में जीत जाती, तो शायद उसके क्षत्रपों की मनमानी और बढ़ जाती और 2024 में उसका अच्छा असर नहीं होता। इस लिहाज से ठीक ही हुआ कि कांग्रेस ने हिंदी पट्टी के राज्यों में हार का स्वाद चख लिया है।देश की असल पहचान और संविधान बचाने के लिए जरूरी है कि उन सामाजिक मूल्यों की पुनर्स्थापना हो, जो बीते दशक में तेजी से दफन कर दिए गए हैं। जिन बातों को न्यू नॉर्मल कहकर सहज स्वीकृति मिल चुकी हैं, वे दरअसल भारत की जड़ों को खोखला कर रही हैं। इसलिए सत्ता का केन्द्रीकरण और व्यक्तिकेन्द्रित राजनीति दोनों को खत्म करना होगा। इंडिया गठबंधन की जीत से यह मुमकिन हो सकता है, इसलिए 2024 के चुनावों पर अब कांग्रेस और गठबंधन के बाकी दलों का फोकस होना चाहिए। हालांकि भाजपा की पूरी कोशिश रहेगी कि मोदी मैजिक जैसे जुमले को वो भारतीय राजनीति का सच बनाने की कोशिश करे। फिलहाल इस बार के बाद अब यह देखना है कि भाजपा का अहंकार और कितना बढ़ता है, गांधी परिवार पर उसके हमलों में कितनी तेजी आती है और ये भी देखना है कि कांग्रेस कब ईमानदारी से आत्ममंथन कर अपनी गलतियों को सुधारती है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि मोहब्बत के कारोबार का जिम्मा केवल राहुल गांधी के कंधों पर नहीं डाला जा सकता, इसमें सबको अपनी हिस्सेदारी निभानी होगी।

उत्तर भारत में भाजपा नहीं जीती कांग्रेस हारी

शकील अख्तर

उत्तर भारत के क्षत्रपों ने कांग्रेस को फिर डुबो दिया। जबकि तेलंगाना के नायक रेवंत रेड्डी ने कर्नाटक के सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार की तरह दक्षिण में कांग्रेस की नैया पार लगा दी।राहुल गांधी का रोल हर जगह समान रहा। खूब मेहनत की। निश्चित ही रूप से उनके साथ पार्टी अध्यक्ष खरगे जी और प्रियंका गांधी की भी पूरी मेहनत रही। मगर उनके नेता कमलनाथ, गहलोत, पायलट, भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव सब अपनी ढपली अपना राग बजाते रहे। किसी को न पार्टी की चिन्ता थी और न ही राहुल की। नतीजा सबके सामने है। जबकि दक्षिण में कर्नाटक भी और फिर तेलंगाना भी कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने अपना अहं छोड़कर पार्टी के लिए लड़ा। और वहां का नतीजा भी सामने है। अब फैसला कांग्रेस नेतृत्व को करना है। उसे उत्तर भारत के इन क्षत्रपों पर लगाम लगाना है या फिर ऐसा ही ढीला ढाला रवैया चलते रहने देना है। राजस्थान में पांच साल से ज्यादा कांग्रेस में भयंकर गुटबाजी चली। 2018 के चुनाव में जाने से पहले गहलोत और पायलट में तलवारें खिंच चुकी थीं। और उसके बाद 2023 में रिजल्ट आने के बाद तक वे म्यानों में वापस नहीं गईं। हमने शायद दो साल पहले लिखा था कि वोट कांग्रेस को मिलते हैं। उसके नेताओं सोनिया गांधी राहुल के नाम पर। उसकी नीतियों को लोग पसंद करते हैं। मगर चुनाव जीतने के बाद क्षत्रप यह समझने लगते हैं कि वोट उन्हें मिले। लोकप्रियता उनकी है और वे अपनी मनमानी करने लगते हैं। हमारी यह बात उस समय कांग्रेस के कुछ बड़े नेताओं की समझ में आई थी। एकाध ने सार्वजनिक रूप से उसका समर्थन कर दिया। बड़ा हंगामा मचा। कांग्रेस के क्षत्रप लाल–पीले हो गए। मगर बात सच थी और आज नुकसान उठाकर कांग्रेस की समझ में आई है। हमने यह भी लिखा था कि कांग्रेस को राजस्थान में गहलोत और पायलट दोनों को भूलकर तीसरा नेतृत्व तैयार करना चाहिए। मगर कांग्रेस कभी सुनती है? याद रखना चाहिए कि राजस्थान में प्रधानमंत्री मोदी ने वहां की सबसे बड़ी नेता वसुंधरा राजे को किनारे करके चुनाव लड़ा। मगर कांग्रेस गहलोत और पायलट के बीच झूलती रही। जिस समय पायलट अपने विधायकों को लेकर मानेसर गए कांग्रेस क्या कर रही थी? क्यों नहीं पायलट के खिलाफ एक्शन लिया गया? और फिर जब पार्टी अपना सबसे बड़ा डिसिजन ले रही थी। परिवार के बाहर का अध्यक्ष बनाने का तो गहलोत ने राजस्थान की कहावत के अनुसार मुक्की भर बाजरे के लिए हिन्दुस्तान की बादशाहत ठुकरा दी। कांग्रेस गहलोत को अध्यक्ष बना रही थी। मगर राजस्थानी भाषा के अनुसार गहलोत नट गए। मतलब इन्कार कर दिया। और उसके साथ ही उन्होंने भी पार्टी का अनुशासन तोड़ने का एक बड़ा काम भी कर दिया। कांग्रेस ने वहां विधायक दल की बैठक बुलाई थी। उसमें आब्जर्वर के तौर पर उस समय के राजस्थान इंचार्ज अजय माकन और खरगे जी जिनका नाम उस समय अध्यक्ष पद की रेस में दूर–दूर तक नहीं था गए थे। मगर गहलोत ने अपने समर्थक विधायकों को उसे बैठक में जाने से रोक दिया। कांग्रेस इस पर कोई एक्शन नहीं ले पाई। नतीजा आज राजस्थान के रिजल्ट हैं। मध्य प्रदेश की कहानी तो और भी खराब है। वहां तो कमलनाथ ने अपने आपको भावी मुख्यमंत्री ही लिखवाना शुरू कर दिया था। ये तो सबको मालूम था कि वे किसी से मिलते–जुलते नहीं हैं। मगर यह नहीं मालूम था कि वे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री पूरे टर्म के अखिलेश यादव के लिए ऐसे भी बोल सकते हैं कि अरे छोड़िए भी अखिलेश वखिलेश! और इससे भी आगे जाकर दस साल मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह और उनके विधायक पुत्र जयवर्द्धन सिंह जिनका टिकट बंटवारे से कोई लेना–देना नहीं के लिए यह बोल सकते हैं कि जाकर उनके कपड़े फाड़ो।दिग्विजय ने एक कार्यक्रम में इस पर कमलनाथ की मौजूदगी में ही हल्के व्यंग्य के साथ एक कमेंट भी किया। मगर पार्टी की एकता बनाए रखने को ध्यान में रखते हुए ज्यादा तूल नहीं दिया। इसके साथ ही बेमतलब की फिल्मी डायलगबाजी की गई। वहां कांग्रेस इन्चार्ज के तौर पर अच्छा–भला बैकग्राउंड में रहकर काम कर रहे वरिष्ठ नेता जयप्रकाश अग्रवाल को अचानक प्रेस नोट जारी करते पद से हटा दिया गया। इतने वरिष्ठ नेता को पहले से जानकारी देना भी कांग्रेस ने उचित नहीं समझा। जिस समय उन्हें हटाने की विज्ञप्ति आई वे कांग्रेस मुख्यालय के अपने आफिस में पत्रकारों को भाजपा पर बाइट दे रहे थे। बता रहे थे कि कांग्रेस कैसे मध्य प्रदेश से भाजपा को हटाएगी मगर उसी समय उन्हीं को हटा दिया गया। उनकी जगह आए रणदीप सुरजेवाला ने उनकी चुपचाप काम करने वाली स्टाइल के विपरीत धूम–धड़ाका शुरू कर दिया। कमलनाथ और दिग्विजय को फिल्म शोले की जय–वीरू की जोड़ी बता दिया। बीजेपी तो इसी के इंतजार में थी। उसने फौरन सवाल किया की फिल्म खत्म होने से पहले एक खत्म हो गया था। वह कौन है? और वह अब कमलनाथ निकले। कमलनाथ के पुत्र नकुलनाथ ने तारीख तो मध्यप्रदेश में उनके शपथ ग्रहण की बताई थी मगर किस को पता था कि उनकी राजनीति ही खत्म हो जाएगी। कमलनाथ किसी की सुनते नहीं थे। इंडिया गठबंधन ने जिस एंकर का बायकाट किया था उसे वे अपने जहाज में घुमाते हुए इंटरव्यू दे रहे थे। अपने आसपास के लोगों द्वारा रोज सुबह–शाम जय जय कमलनाथ सुनकर उन्हें लगने लगा था कि वे मुख्यमंत्री बन ही गए हैं। अब बात छत्तीसगढ़ की। जहां कांग्रेस सबसे ज्यादा अपनी जीत सुनिश्चित मान रही थी। भाजपा को दस से ज्यादा सीटें न देने की बात कही जा रही थी। वहां मुख्यमंत्री बघेल, कमलनाथ जैसे अहंकार में तो नहीं थे मगर आत्ममुग्ध थे। उनके आसपास भी ऐसे लोगों की भीड़ जुट गई थी जो करते–धरते तो कुछ नहीं थे मगर रोज आकर बघेल को कहानियां सुनाते थे कि उनकी लोकप्रियता इतनी बढ़ गई है। तीनों राज्यों में एक बात कॉमन थी कि दो के मुख्यमंत्री गहलोत और बघेल को और तीसरे के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ को चापलूस लोगों ने घेर रखा था। सत्ताधारियों का चाटुकारों और दलालों से घिरा होना कोई खास बात नहीं मगर खास बात यह है कांग्रेस के नेता इनके अलावा किसी और से कोई संपर्क ही नहीं रखते थे। यहां एक बात और कह दें कि दिल्ली भी अब अपने नेताओं पर निगाह नहीं रख पाती है। इन्दिरा गांधी के समय तक कांग्रेस में एक निगरानी की व्यवस्था थी। बाद में बीच के लोगों ने खुद ही सबकुछ देख लेने की जिम्मेदारी लेकर सब कुछ व्यक्तिगत बना दिया। सिस्टम खत्म कर दिया। 2023 कांग्रेस के लिए निराशा का साल बन गया। मगर एक अवसर है। अगर कांग्रेस सीख सके तो। क्षत्रपों पर कंट्रोल। दलाल नेताओं की पहचान। खाली दफ्तर में बैठकर मीडिया के जरिए अपना फोटो चमकाने वालों को तत्काल पदों से हटाना। और अच्छी बात अभी यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने अभी अपनी नई टीम घोषित नहीं की है। उसे लिस्ट में से उन सब लोगों को निकालकर बाहर कर देना चाहिए जो केवल बातें करते हैं। जिनका कोई काम नहीं है। नए लोगों को जिम्मेदारियां देना चाहिए। गणेश परिक्रमा करने वाले कांग्रेस के सबसे बड़े दुश्मन हैं।

इतनी नफरत इतना जहर?

तनवीर जाफरी

हमारे भारतीय समाज में धार्मिक सद्भावना की जड़ें इतनी गहरी हैं कि दुनिया भारत के इस सद्भवना पूर्ण इतिहास की मिसालें पेश करती है। भारत को श्अनेकता में एकताश रखने वाले देश के रूप में जाना जाता है। जिस देश में हिन्दू देवी देवताओं के प्रशंसक कवि रहीम,रसखान और जायसी जैसे अनेक कवि हों, जिस देश में अकबर के सेनापति मान सिंह और महाराणा प्रताप के सेनापति हाकिम खान सूर रहे हों ,जिस देश में छत्रपति शिवाजी महाराज के कई सेनापति,नेवल कमाण्डर से लेकर उनके गुप्त दस्तावेज पढ़ने व उसका जवाब देने वाले मुस्लिम रहे हों,जिस देश की आजादी की लड़ाई में कुर्बान होने वाले लाखों हिन्दू–मुस्लिम–सिख–ईसाई शहीदों के नाम से पोर्ट ब्लेयर जेल की दीवारें तथा नई दिल्ली के इण्डिया गेट की शिलायें पटी पड़ी हों, जिस देश की सेना में शहीद होकर ब्रिगेडियर उस्मान व वीर अब्दुल हमीद जैसे हजारों शहीदों ने अपनी राष्ट्रभक्ति व कर्तव्यपरायणता की मिसाल पेश की हो। जिस देश की मिसाइल व [illegible] नफरत और जहर से भरा हुआ संकीर्ण मानसिकता रखने वालों का एक छोटा सा वर्ग ऐसा भी है जो न केवल उपरोक्त तथ्यों को नजर अंदाज करने की कोशिश करता रहता है बल्कि इसके विपरीत साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाने तथा नफरत के प्रचार प्रसार के काम में भी व्यस्त रहता है।आश्चर्य की बात तो यह है कि इन स्वयंभू राष्ट्रवादियों के पुरखों का न तो देश के स्वतंत्रता संग्राम में कोई योगदान है न ही देश की आजादी के लिये लाठियां–गोलियां खाने वालों में इनका कोई जिक्र है। परन्तु दुर्भाग्यवश अंग्रेजों की जी हुजूरी करने वाले इसी मानसिकता के लोग नफरत और साम्प्रदायिक दुर्भावना के सहारे, खासकर देश में हिन्दू–मुस्लिम के मध्य खाई गहरी कर सत्ता में जरूर आ गए हैं। और सत्ता में आते ही इनको यह एहसास हो गया है कि चूंकि हमारी सत्ता का आधार ही साम्प्रदायिकता है लिहाजा इसे निरंतर श्धारश देते रहना सत्ता में बने रहने के लिये जरूरी है। इसी मकसद के तहत कहीं जिलों, शहरों, कस्बों व स्टेशन्स के नाम बदले जा रहे हैं, मदरसों के खिलाफ कार्रवाइयां हो रही हैं, हलाल का मुद्दा उठाया जा रहा है [illegible] तो यह है कि धार्मिक पहचान देखकर मॉब लिंचिंग की जाती है,ट्रेन में धर्म विशेष के यात्रियों को गोली मार दी जाती है,संतों जैसे दिखाई देने वाले व्यक्ति द्वारा मुस्लिम महिलाओं का बलात्कार करने की धमकी लाऊड स्पीकर पर दी जाती है। पिछले दिनों ऐसी ही ग्रुण मानसिकता के मुट्ठी भर लोगों ने उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के साम्या माता मंदिर में आयोजित शतचंडी यज्ञ के बाद अपनी नफरती हरकतों से विवाद खड़ा कर दिया। दरअसल उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के बलवा गांव के साम्या माता मंदिर में शतचंडी महायज्ञ कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस यज्ञ के मुख्य आयोजक पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला थे जिन्होंने यज्ञ में स्थानीय समाजवादी पार्टी विधायक सैय्यदा खातून को यज्ञ आयोजन की मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया था। हालांकि यह आयोजन पूरी श्रद्धा के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ और विधायक सैय्यदा खातून ने भी इसमें पूरी श्रद्धा व सम्मान के साथ शिरकत की। परन्तु आयोजन समाप्ति के एक दिन बाद नियोजित तरीकेद से इसी आयोजन में नफरत का एंगल [illegible] संगठन के अपने चंद साथियों के साथ उसी साम्या माता मंदिर में पहुंचकर मंदिर को गंगाजल से धुलवाया गया। नफरत के इन सौदागरों का कहना था कि श्विधायक सैय्यदा खातून और उनके समाज को जब मंदिर से कुछ लेना–देना नहीं हैं तो फिर वह हमारे धार्मिक स्थल पर क्या करने आई थीं? हम लोग हर मंगलवार यहां पर पूजा करते हैं। वो लोग मांस खाने वाले हैं, पता नहीं क्या खाकर यहां आए और मंदिर को अपवित्र कर गए ? जबकि साम्या माता मंदिर में आयोजित शतचंडी यज्ञ के मुख्य आयोजक और मंदिर प्रमुख पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला का इस विषय पर कहना है कि श्वह मंदिर मेरा है, और आज से नहीं सदियों से हिंदू और मुसलमान इस मंदिर में आते जाते थे। अलग–अलग धर्म के लोग आज भी मंदिर में जाते हैं। ये विवाद किस बात को लेकर फैला रहे हैं हम? वे सवाल उठाते हैं, अगर एक मुसलमान के मंदिर जाने पर मंदिर अपवित्र हो जाता है तो हिंदू भी तो मुसलमानों के तीर्थ स्थानों पर जाते हैं। तो उन्हें भी उनके स्थलों पर नहीं जाना चाहिए? पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला [illegible]

भले ही हार जाएं लेकिन भारत के खिलाफ बैजबॉल शैली ही इस्तेमल करेंगे : मैकुलम

बेंगलुरू । 'बैजबॉल' ने टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की बल्लेबाजी के आयाम को बदल दिया है और टीम के न्यूजीलैंड के कोच ब्रैंडन मैकुलम को स्पष्ट हैं कि भारत के खिलाफ 5 टेस्ट की श्रृंखला का नतीजा भले ही कुछ भी हो लेकिन उनकी टीम अपनी आक्रामक रणनीति पर बरकरार रहेगी। इंग्लैंड को अगले साल 25 जनवरी से हैदराबाद, विशाखापत्तनम, राजकोट, रांची और धर्मशाला में भारत के खिलाफ 5 टेस्ट की श्रृंखला खेलनी है और श्रृंखला के दौरान स्पिन की अनुकूल पिचें मिलने की उम्मीद है। 'बैजबॉल' शब्द मैकुलम के उपनाम 'बैज' और उनकी आक्रामक रणनीति के आधार पर गढ़ा गया है। इस शब्द

को 'कोलिन्स शब्दकोश' में भी जगह मिली है। बैजबॉल का अर्थ है कि टेस्ट क्रिकेट में खेलने की वह शैली जिसमें बल्लेबाजी टीम बेहद आक्रामक अंदाज में खेलकर अपनी स्थिति मजबूत करने का प्रयास करती है।मैकुलम ने कहा कि भारत में होने वाले 5 टेस्ट में हमें बेहद अच्छी भारतीय टीम के खिलाफ कड़ी चुनौती मिलेगी। उन्होंने कहा कि मैं इसे लेकर रोमांचित हूं क्योंकि आप सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ खुद को परखना चाहते हैं और मेरा मानना है कि अपनी परिस्थितियों में भारत सर्वश्रेष्ठ है। यह हमारे लिए अच्छी चुनौती होगी। अगर हमें सफलता मिलती है तो यह शानदार होगा, अगर ऐसा नहीं होता है तो फिर मुझे पता है कि हम उस शैली के आधार खेलते हुए हारेंगे जिसके अनुसार हम खेलना चाहते हैं।

ICC पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2023 अवॉर्ड के 5 दावेदार आए सामने

रियाद (सऊदी अरब)। आईसीसी पुरस्कार आने वाली हैं। इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों में ICC क्रिकेटर ऑफ द ईयर एक विशेष स्थान रखता है, जो सभी प्रारूपों में एक खिलाड़ी की उत्कृष्टता को सम्मानित करता है। जैसे-जैसे वर्ष 2023 अपने अंत के करीब पहुंच रहा है, प्रशंसकों के बीच उत्साह अपने चरम पर पहुंच गया है। हर किसी के मन में सवाल है कि 2023 के लिए आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर का ताज किसे पहना जाएगा। यहां देखें शीर्ष 5 दावेदार-

शुभमन गिल (भारत)

शुभमन गिल 2023 में एक क्रिकेट सनसनी के रूप में उभरे हैं, उन्होंने 45 मैचों में 50.42 की प्रभावशाली औसत के साथ 7 शतकों सहित 2118 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाए हैं।

डेरिल मिशेल (न्यूजीलैंड)

डेरिल मिशेल ने बल्ले और गेंद दोनों से अपना कौशल दिखाया है। उन्होंने साल 2023 में 47 मैचों में 42.64 की औसत और छह शतकों के साथ 1919 रन बनाए है।

विराट कोहली (भारत)

विराट कोहली ने 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 34 मैचों में 66.68 के औसत से 1934 रन बनाए, जिसमें 8 शतक शामिल थे।

ट्रैविस हेड (ऑस्ट्रेलिया)

ट्रैविस हेड ने प्रमुख आईसीसी आयोजनों में ऑस्ट्रेलिया की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 28 मैचों में 47.02 की औसत से 3 शतकों के साथ 1599 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाए।

रोहित शर्मा (भारत)

टी20 इंटरनेशनल से बाहर रहने के बावजूद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए 34 मैचों में 51.28 की औसत और 4 शतकों के साथ 1795 रन बनाए।

टी20 विश्व कपः आपको बल्लेबाज से ज्यादा एक नेता के रूप में उनकी जरूरत है, कैफ ने की रोहित की तारीफ

विशाखापत्तनम। आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप 2023 के रोमांचक फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सपनों को चकनाचूर कर दिया और अब क्रिकेट जगत का ध्यान टी20 विश्व कप 2024 पर केंद्रित हो गया है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि हार के बीच रोहित शर्मा का नेतृत्व पहले से कहीं अधिक चमक रहा है। उन्होंने कहा, टी20 विश्व कप 2024 में टीम का नेतृत्व करने के लिए आपको बल्लेबाज रोहित शर्मा से ज्यादा कप्तान रोहित की जरूरत है। एकदिवसीय विश्व कप फाइनल तक भारतीय टीम की यात्रा लगातार दस जीतों से चिह्नित थी जिसका समापन अहमदाबाद में आस्ट्रेलियाई टीम के हाथों हार से समाप्त हुआ। 240 के स्कोर और ऑस्ट्रेलिया की शानदार गेंदबाजी के कारण भारत को पहली हार का सामना करना पड़ा जिससे उन्हें 50 ओवर का विश्व खिताब गंवाना पड़ा।

ईसीबी ने महिला क्रिकेटरों के लिए की 2023/24 केंद्रीय अनुबंध की घोषणा, 18 क्रिकेटर शामिल

लंदन। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने 2023/24 के लिए सोमवार को महिला क्रिकेटरों के केंद्रीय अनुबंध की घोषणा की है। 2023/24 सत्र के लिए अठारह खिलाड़ियों को अनुबंध प्रदान किए गए हैं। माइया बाउचियर और डेनिएल गिब्सन को उनका पहला केंद्रीय अनुबंध दिया गया है।

गेंदबाज महिका गौर और लॉरेन फाइलर और विकेटकीपर-बल्लेबाज बेस हीथ को 2023 में सीनियर सेट-अप में प्रवेश करने के बाद विकास अनुबंध से सम्मानित किया गया है। ये विकास अनुबंध उन खिलाड़ियों को दिए गए हैं जो इंग्लैंड महिला प्रबंधन टीम को लगता है कि वे भविष्य में टीम के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सभी अनुबंध 31 अक्टूबर 2024 तक के लिए मान्य हैं। इंग्लैंड महिला क्रिकेट के निदेशक, जोनाथन फिंच ने कहा,

'केंद्रीय अनुबंध उन खिलाड़ियों को दिए जाते हैं जो हमें लगता है कि अगले 12 महीनों और उससे आगे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अभूतपूर्व व्यस्त दौर की शुरुआत में हैं और समूह हमारे सामने आने वाले बहु-प्रारूप कार्यक्रम की आवश्यकताओं को दर्शाता है। माइया बाउचियर और डेनिएल गिब्सन गर्मियों में हमारे समूह का हिस्सा रहे हैं, उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है और आगे बढ़ने के लिए इंग्लैंड के लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी होंगे। उन्होंने कहा, -विकास अनुबंधों की शुरूआत हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और हमें खिलाड़ियों के एक व्यापक समूह को उनके चल रहे विकास में समर्थन देने की अनुमति देता है और हम खिलाड़ियों के विकास और कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए मिलकर काम करेंगे।'

इंग्लैंड महिला केंद्रीय अनुबंधित सूची में शामिल खिलाड़ी इस प्रकार हैं:

टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, माइया बाउचियर, ऐलिस कैप्सी, केट क्रॉस, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, टैश फ़ारंट, डेनिएल गिब्सन, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, फ्रेया केम्प, हीदर नाइट, एम्मा लैम्ब, नेट साइवर-ब्रंट, इस्सी वोंग, डैनी व्याट।

आईसीसी टी20 महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए मेजबान युगांडा की टीम घोषित

कंपाला। युगांडा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टी20 महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए में 14 खिलाड़ियों की राष्ट्रीय टीम घोषित कर दी है। कोच लॉरेंस सेसेमातिम्बा ने एंटेबे क्रिकेट ओवल में 7 से 17 दिसंबर तक होने वाले क्वालीफायर से पहले सोमवार को टीम की घोषणा की।

सेसेमातिम्बा ने सिन्हुआ को बताया, हम इस टीम को तैयार करने के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं और आखिरकार हमने उन खिलाड़ियों का चयन कर लिया है जिनके बारे में हमारा मानना है कि वे क्वालीफायर में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। युगांडा नामीबिया, नाइजीरिया और रवांडा के साथ ग्रुप बी में है और इसकी

कप्तानी कॉन्सी अवेको करेंगी। ग्रुप ए में जिम्बाब्वे, तंजानिया, बोत्सवाना और केन्या शामिल हैं।

शीर्ष दो टीमें अगले साल दुबई में वैश्विक क्वालीफायर के लिए क्वालीफाई करेंगी। 2024 टी20 महिला विश्व कप की मेजबानी बांग्लादेश करेगा।

युगांडा क्रिकेट एसोसिएशन के सीईओ एलन मुगुमे ने कहा, हमने यह सुनिश्चित करने के लिए सब कुछ किया है कि हम अच्छे मेजबान हैं और एक मजबूत टीम भी मैदान में उतारेंगे जो क्वालीफायर के अगले चरण के लिए क्वालीफाई कर सके।

युगांडा टीम इस प्रकार है:

केविन अविनो, प्रोस्कोविया अलाको, आइरीन अलुमो, जेनेट म्बाबाज़ी, एवलिन एनीपो, कॉन्सी अवेको (कप्तान), पेट्रीसिया मालमेकिया, इमैक्युलेट नकिसुयुई, स्टेफ़नी नैम्पिना, लोनी अन्यैत, रीता मुसामाली, एस्तेर इलोकु, मालिसा एरियोकोट, सारा अकीतेंग। युगांडा 10 दिसंबर को रवांडा के खिलाफ क्वालीफायर में अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

प्रधान मंत्री एकादश टीम से हटे माइकल नेसर, जॉर्डन बकिंघम प्रतिस्थापन के तौर पर शामिल

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर माइकल नेसर ने प्रधान मंत्री एकादश टीम से नाम वापस ले लिया गया है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके राज्य क्वींसलैंड के हालिया शेफ़ील्ड शील्ड मैच के दौरान वह चोटिल हो गए थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अनुसार, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन बकिंघम प्रधान मंत्री एकादश की टीम में नेसर की जगह लेंगे, जो बुधवार से मनुका ओवल में मेहमान पाकिस्तान टीम के खिलाफ चार दिवसीय मैच खेलेगी। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने एक आधिकारिक बयान में कहा 'हम जानते हैं कि माइकल एक गुणवत्तापूर्ण खिलाड़ी है और हमने उसे टेस्ट टीम में प्रदर्शन करते देखा है और हम यह

सुनिश्चित करना चाहते हैं कि इस गर्मी में उन्हें अधिक टेस्ट क्रिकेट खेलने का अवसर मिले तो हम उसे प्रदर्शन के लिए तैयार होने का सबसे अच्छा मौका दे रहे हैं। हम माइकल के साथ सतर्क रुख अपना रहे हैं, चार दिवसीय पीएम एकादश के मैच के लिए एकादश के मैच में संभावित रूप से एक और बड़े गेंदबाजी भार का खतरा बहुत अधिक माना गया था। आने वाले दिनों में हम उनकी बिग बैश लीग उपलब्धता निर्धारित करने के लिए ब्रिस्बेन हीट की मेडिकल टीम के साथ काम करेंगे। नेसर ने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया के लिए पिछले साल एडिलेड में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था और इस साल की शुरुआत में एशेज दौरे के शुरुआती हिस्से में उन्हें पैट कमिंस की अगुवाई वाली टीम में शामिल होने के लिए बुलाया गया था। ।

दूसरी ओर, बकिंघम अब पीएम एकादश के मैच के लिए नाथन मैकएंड्रू और मार्क स्टेकेटी के साथ तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी उठाएंगे, जबकि ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन और ब्यू वेबस्टर अन्य तेज गेंदबाजी विकल्पों में शामिल होंगे।

पीकेएल 10 : मनिंदर सिंह का शानदार सुपर-10, बंगाल वॉरियर्स ने बैंगलुरु बुल्स पर दर्ज की रोमांचक जीत

अहमदाबाद। मनिंदर सिंह के 11 अंकों की बदौलत सोमवार रात ईकेए एरिना बाय ट्रांस स्टेडियम में एक रोमांचक मुकाबले में बंगाल वॉरियर्स ने बैंगलुरु बुल्स को एक रोमांचक मुकाबले में 32-30 से हराया। मनिंदर ने रात की पहली रेड के साथ जोरदार शुरूआत की। मनिंदर ने बंगाल को एक बोनस अंक के साथ-साथ एक टच प्वाइंट दिलाया। इस मैच को बड़े हमलावरों की लड़ाई के रूप में प्रस्तुत किया गया था, उसमें उन्होंने अपनी छाप छोड़ी।

हालांकि दूसरे छोर पर लंबे क़द के भरत को अपने पहले ही रेड में निपटा दिया गया। यह इस बात का एक अशुभ संकेत था कि मैच के दौरान चीजें उनके तथा उनकी टीम लिए कैसी होंगी। बेंगलुरु बुल्स को पहले अंक हासिल करने में चार मिनट से अधिक का समय लगा। इस टीम का खाता आदित्य शिंदे की 'डू ऑर डाई रेड के जरिए खुला।

बुल्स को खुद से दूर रखने के लिए वारियर्स ने नियमित अंतराल पर अंक हासिल करना जारी रखा, लेकिन नीरज नरवाल के एक सुपर रेड ने स्कहानी में नया मोड़ का दिया और इसे एक करीबी मुकाबले में बदल दिया, जिसमें वॉरियर्स हाफ टाइम तक 14-11 से आगे थे। वॉरियर्स ने हालांकि दूसरे हाफ में कुछ मिनटों में ही अपनी बढ़त बढ़ा दी। मनिंदर सिंह ने ऑल आउट का अंजाम देकर स्कोर 23-15 करते हुए उसे 8 अंक से आगे कर दिया। हालांकि, बेंगलुरु बुल्स ने इसके बाद धीरे-धीरे मुकाबले में वापसी की। छह मिनट शेष रहते हुए, उन्हें अपना खुद का ऑल आउट मिल गया, जिससे अंतर कम होकर दो हो गया और जब खेल ख़त्म होने में तीन मिनट शेष था तब दोनों टीमें 28-28 पर लॉक हो गईं थीं। हालांकि खेल के आखिरी मिनट में विश्वास की रेड और दर्पण के टैकल ने बंगाल वॉरियर्स की जीत सुनिश्चित कर दी।

प्रदेश स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता आठ दिसम्बर से

लखनऊ। प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता आठ दिसम्बर से होगी। प्रतियोगिता 10 दिसम्बर तक चलेगी। जौनपुर के जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में होने वाले इस मैच के लिए पूरे

प्रदेश में तैयारियां शुरू हो गयी हैं। इसके लिए लखनऊ मंडल के टीम का चयन छह दिसम्बर को होगा। लखनऊ मंडल की टीम गठन के संदर्भ में क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी अजय सेठी ने बताया कि लखनऊ मंडल के टीम गठन का काम चौक स्टेडियम में छह दिसम्बर को 11 बजे से होगा। जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता के लिए अभ्यर्थियों की उम्र 20 वर्ष या उससे कम होना चाहिए। इसके साथ ही वजन 70 किग्रा या उससे कम होना चाहिए। पात्रता प्रमाण पत्र और जन्मतिथि प्रमाण पत्र सक्षम स्तर से निर्गत एवं प्रमाणित होना चाहिए।

कोरिया के खिलाफ मैच से भारत करेगा विश्वकप अभियान का आगाज

कुआलालंपुर। एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप मलेशिया 2023 में भारत अपने अभियान की शुरुआत पूल सी में अपने पहले मैच में कोरिया के खिलाफ जीत के साथ करना चाहेगा। कुआलालंपुर के बुकिट जलील में नेशनल हॉकी स्टेडियम भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े तीन बजे यह मैच खेला जाएगा। कोरिया के खिलाफ शानदार रिकार्ड रखने वाली भारतीय टीम के हौसले बुलंद है। दोनों टीमे अब तक छह बार आमने सामने हो चुकी है जिसमें तीन मैच भारत के पक्ष में गये है जबकि दो में उसे हार का सामना करना पड़ा है। एक मैच का नतीजा नहीं निकल सका था। आखिरी बार दोनों टीमें इस साल की शुरुआत में आयोजित पुरुष जूनियर एशिया कप के सेमीफाइनल के दौरान एक-दूसरे से भिड़ी थीं, जहां भारत ने कोरिया पर 9-1 से बड़ी जीत दर्ज की थी।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत श्रृंखला के लिए घोषित की टीम; मार्करम बने व्हाइट-बॉल कप्तान, टेस्ट की कमान बावुमा को

जोहान्सबर्ग। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने भारत के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर 10 दिसंबर से शुरू होने वाली बहु-प्रारूप श्रृंखला के लिए अपनी टीमों की घोषणा कर दी है।टीम में तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर और बल्लेबाज डेविड बेडिंघम और ट्रिस्टन स्टब्स को पहली बार दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम में बुलाया गया है; जबकि विकेटकीपर काइल वेरिन की भी टीम में वापसी हुई है।

एडेन मार्करम टी20 और वनडे टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि टेस्ट टीम का नेतृत्व टेम्बा बावुमा करेंगे।

बावुमा और तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को सफेद गेंद की श्रृंखला से आराम दिया गया है। पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण विश्व कप से बाहर हुए एनरिक नॉर्ट्जे सभी प्रारूपों में खेल से बाहर हैं और उनके पुनर्वास के लिए कोई समय सारिणी नहीं है। बल्लेबाज डेविड बेडिंघम और तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर के साथ तेज गेंदबाज ट्रिस्टन स्टब्स को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। सीरीज की शुरुआत 10 दिसंबर को किंग्समीड स्टेडियम में तीन मैचों की टी20 सीरीज से होगी। दूसरा टी20 मैच 12 दिसंबर को सेंट जॉर्ज ओवल में और तीसरा और आखिरी टी-20 मैच 14 दिसंबर को वांडरर्स स्टेडियम में खेला

जाएगा। 50 ओवर का मुकाबला 17 दिसंबर को वांडरर्स स्टेडियम में शुरू होगा। दूसरा और अंतिम वनडे क्रमशः 19 दिसंबर और 21 दिसंबर को खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका की टी-20 टीम: एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्ज़ी (पहला और दूसरा टी-20), डोनोवन फरेरा, रीज़ा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन (पहला और दूसरा टी-20), हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी (पहला और दूसरा टी20), एंडिले फेहलुकवायो, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स और लिज़ाद विलियम्स।

दक्षिण अफ्रीका वनडे टीम: एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी ज़ोरज़ी, रीज़ा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, मिहलाली मपोंगवाना, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, एंडिले फेहलुकवायो, तबरेज शम्सी, रासी वान डेर डुसेन, काइल वेरिन और लिज़ाद विलियम्स।

दक्षिण अफ्रीका टेस्ट टीम:तेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्ज़ी, टोनी डी ज़ोरज़ी, डीन एल्गर, मार्को जानसन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कीगन पीटरसन, कैगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

आकाश चोपड़ा को उम्मीद, टी20 विश्व कप 2024 में दिखाई देंगे रवि बिश्नोई

मुंबई । युवा स्पिनर रवि बिश्नोई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। वह शुरुआती सफलताएं दिलाने में कामयाब रहे और जब भारत मुश्किल में था तो वह कप्तान सूर्यकुमार यादव के लिए सहारा बने। वह पावरप्ले में भी अविश्वसनीय थे और इसलिए पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा को उम्मीद है कि बिश्नोई आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के साथ यात्रा करेंगे जो 4 जून से शुरू होने वाला है।

चोपड़ा को यह भी लगता है कि 23 वर्षीय खिलाड़ी बेहद सुसंगत है और बल्लेबाजों के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज और संयुक्त राज्य

अमेरिका की पिचें उनकी गेंदबाजी शैली के अनुकूल होंगी और यदि वह अच्छा आईपीएल आयोजित करने में सफल रहे तो वह निश्चित रूप से विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल होंगे।

चोपड़ा ने कहा, 'मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि यह लगभग पूरा हो चुका सौदा है। मुझे लगता है कि जिस तरह से वह गेंदबाजी कर रहा है और जितने विकेट ले रहा है, उसके कारण उसका नाम वहां रहेगा। वह सुसंगत है। वह विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं और नई गेंद से गेंदबाजी करते हैं। मैच अमेरिका और वेस्टइंडीज में होंगे। धीमी पिचों पर हवा में थोड़ा तेज, मुझे लगता है कि वह मूल्य लाएगा। यह बच्चा अच्छी फील्डिंग करता है और कलाई के स्पिनर के रूप में वह बहुत सटीक है। मुझे लगता है कि अगर वह इसी तरह गेंदबाजी करते रहे और आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया, तो उनका सौदा तय है।' विशेष रूप से बिश्नोई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में 9 विकेट लिए और अंततः उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज़ चुना गया। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे के लिए भी बुलाया गया है, जहां स्पिनर कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे। युजवेंद्र चहल भी टीम में हैं और अगर वह वनडे और फिर आईपीएल में अच्छा समय बिताने में सफल रहते हैं तो चहल भी दौड़ में वापस आ जाएंगे। इसलिए आने वाले महीनों में बिश्नोई के लिए निरंतरता महत्वपूर्ण होगी।

विराट को दिखाना होगा टी20 में उनकी जगह कोई नहीं ले सकता : संजय मांजरेकर

नई दिल्ली । विराट कोहली को क्या आगामी टी20ई विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम में जगह मिल सकती है। सवाल के जवाब में भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि विराट को सबसे छोटे प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। उन्हें दिखाना होगा कि वह अभी भी युवाओं से बेहतर विकल्प है। विराट कोहली जिन्होंने वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाए थे, फाइनल मुकाबले में हार के बाद से अभी ब्रेक पर हैं।

विराट कोहली को दिखाना होगा कि वह वर्तमान में खेल रहे युवाओं और टी20 बल्लेबाज और कप्तान के रूप में रोहित शर्मा बनाम टी20 बल्लेबाज, ऑलराउंडर और कप्तान हार्दिक पंड्या से बेहतर विकल्प हैं।

मांजरेकर ने एक शो के दौरान कहा कि जब आगे चलकर सबसे छोटे प्रारूप के लिए चयन की बात आएगी तो भारत के कप्तान को हार्दिक पंड्या से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। विराट कोहली को दिखाना होगा कि वह वर्तमान में खेल रहे युवाओं और टी20 बल्लेबाज और कप्तान के रूप में रोहित शर्मा बनाम टी20 बल्लेबाज, ऑलराउंडर और कप्तान हार्दिक पंड्या से बेहतर विकल्प हैं।

58 वर्षीय ने टीम प्रबंधन से टीम को फॉर्म के आधार पर चुनने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि कौन जानता है कि जीवन में क्या होने वाला है? मुझे नहीं पता कि कल क्या होने वाला है। मेरा मानना ??है कि दृष्टिकोण बेहद सरल होना चाहिए। हमने बहुत सारे विश्व कप खेले हैं और उन्हें जीतने में सक्षम नहीं हैं। हम शायद विश्व कप के अंतिम चरण में थोड़ा अलग क्रिकेट खेलने लगते हैं जिससे मौका हमारे हाथ से निकल जाता है। इस बार इसे सरल बनाएं। विश्व कप के करीब फॉर्म के आधार पर अपनी टीम चुनें।

ऐसे करें नन्हे की देखभाल

नाजुक से हाथ-पांव, मासूम-सा चेहरा और कोमल सी काया..., ऐसे में नन्हे को गोद में उठाते हुए भी डर लगता है परंतु मां ही ऐसी है, जो बेझिझक बच्चे को अपनी गोद में उठा कर उसे दुलारती और उसकी देखभाल करती है। नाजुक-सी जान के आते ही मां के इतने काम बढ़ जाते हैं कि कई बार तो उसे समझ ही नहीं आता कि वास्तव में वह अपने बच्चे की देखभाल कैसे करे कि उसकी सेहत हर मौसम के हिसाब से सही रहे।

हैल्दी मसाज

किसी भी नवजात शिशु को मसाज की बहुत आवश्यकता होती है जिससे कि उसकी बॉडी मजबूत तो बनेगी ही, साथ ही प्रॉपर शेप में भी आएगी। छोटे बच्चों की मसाज चेहरे से शुरू कर पांवों तक पहुंचनी चाहिए। बेहतर है कि उसकी मसाज देसी घी से की जाए। यदि अन्य तेल इस्तेमाल करना चाहती है तो वह तेज खुशबू वाला नहीं होना चाहिए।

नहलाना है जरूरी

यूं तो छोटे बच्चे को रोज गुनगुने पानी से नहलाया जाए तो वह काफी एक्टिव फील करता है। इसके लिए पहले उसे गुनगुने दूध से नहलाए और बाद में उसे बेबी शैंपू से नहला दें। बहुत छोटे बेबी के नहाने के पानी में बेबी लोशन या ऑयल की कुछ बूंदें डाल दें। जब मौसम अनुकूल न हो तो उसे हर रोज नहलाना भी जरूरी नहीं, गुनगुने पानी में टॉवल भिगो कर उसे स्पंज कर उसके कपड़े बदल दें। बच्चे की स्कैल्प पर जन्म के बाद एम्नियोटिक फ्लूइड के अंश लगे रह जाते हैं।

इन्हें एक दिन में हटाने की कोशिश न करें। हर रोज बच्चे के सिर पर बेबी कोम को हल्के हाथों से फिराते हुए निकालें।

नैपी नॉट

बच्चों के लिए डायपर खरीदते समय उसके वजन का ख्याल अवश्य रखें। ये उम्र की अपेक्षा उनके वजन को ध्यान में रख कर बनाए जाते हैं। डायपर को इस ढंग से बांधे कि उसकी स्किन पर रैशेज न पड़ें। इन्हें चेंज करते समय बच्चे के जननांग की विशेष रूप से सफाई करें।

सॉफ्ट हों परिधान

नन्हे- मुन्नों को हर मौसम में सॉफ्ट परिधान ही चाहिएं। उनके कपड़ों की डिजाइनिंग ऐसी होनी चाहिए जिसमें नैपी चेंज करना आसान हो। लेस वाले परिधानों में जहां उसकी उंगलियां फंसने का डर रहता है, वहीं बटन या फूलों वाली ड्रैस उसे चुभ सकती है। ठंडे मौसम में उसे फुल बॉडी सूट तथा गर्मियों में उसे सूती कपड़े के झबले पहनाएं।

जब रो उठे बच्चा

यूं तो बच्चों के रोने के कई कारण होते हैं। कई बार वह भूख लगने से रो सकता है, तो कभी उसे नींद आई होती है। कई बार उसकी नैपी गीली या गंदी हो जाने पर वह रोता है तो कभी थकान या दर्द की वजह से भी रो उठता है। इसके अलावा बच्चा अकेला होने पर डर कर भी रो उठता है। ऐसे में बच्चे को अपनी गोद में लेकर प्यार करें। आपके प्यार भरे स्पर्श से ही वह आश्वस्त हो जाता है कि कोई उसके पास है। यदि फिर भी बच्चे का रोना बंद न हो तो समझ जाएं कि उसे कोई तकलीफ है तथा उसे तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं।

सोने की रूटीन

यूं तो नवजात शिशु का दिन सोते हुए तथा रात जागते हुए बीतती है, जिससे परिवार के किसी एक सदस्य को भी उसके साथ जागना पड़ता है। लगभग 3-4 माह बाद बच्चे की यह आदत ठीक होने लगती है। अक्सर बच्चे दूध पीते-पीते गहरी नींद सो जाते हैं। बच्चे का बिस्तर गुदगुदा और मुलायम होना चाहिए तथा उसके कमरे में शोर नहीं होना चाहिए।

हैल्थ केयरिंग

बच्चे की हैल्थ से जुड़े हर प्रस्क्रिप्शन की फाइल बनाएं तथा उसका बर्थ सर्टीफिकेट भी उसमें रखें। पीडियाट्रीशियन के यहां से मिले वैक्सीन के कार्ड को भी इसी फाइल में संभाल कर रख दें। जन्म के बाद के उसके हर ट्रीटमैंट के पेपर इसी में होने चाहिएं और जब भी उसे हॉस्पिटल या नर्सिंग होम लेकर जाएं तो इस फाइल को भी साथ में ले जाएं।

सॉलिड फूड

छः माह तक बच्चे को मां का दूध ही दें तथा उसके बाद डॉक्टर की सलाह पर उसे सॉलिड फूड देना आरंभ करें।

स्टाइलिश बनाएं अपने बाथरूम को

बाथरूम घर के महत्वपूर्ण स्थानों में से एक है, क्योंकि सुबह उठते ही सबसे पहले हम सब सीधे वहीं तो जाते हैं ताकि फ्रैश हो कर दिन भर के लिए तैयार हो सकें। बाथरूम में यदि करीने से सारी एक्सैसरीज रखी जाएं तो उसे खूबसूरत लुक दिया जा सकता है। आजकल बाजार में उपलब्ध विस्तृत रेंज आपके लिए बहुत सारे विकल्प प्रदान करती है, परंतु इस बात का ध्यान रखें कि ये सारी वस्तुएं बाकी सजावट से मेल खाती हों।

दर्पण

दर्पण के बिना बाथरूम अधूरा-सा लगता है, क्योंकि दर्पण किसी भी बाथरूम का एक अभिन्न अंग है और किसी छोटे से बाथरूम को भी यह बढ़ा कर दिखा सकता है। एक स्टाइलिश दर्पण किसी भी जगह को एक शानदार लुक और फील भी प्रदान करेगा। आप अपनी पसंद से डिजाइन और साइज चुन सकती हैं, हालांकि आजकल बड़े आकार के दर्पण लगाने का ट्रैंड है।

नल

बाथरूम को स्टाइलिश लुक देते है खूबसूरत डिजाइन और रंगों वाले नल। इसलिए टाइल्स के रंग से मैच करते नल एवं शॉवर इसे खूबसूरती प्रदान करते हैं। खरीददारी करते समय इस बात का ध्यान रखें कि यदि आप के घर में बच्चे हैं तो ज्यादा कांप्लीकेटेड नल न लेकर साधारण नल ही लें।

वाशबेसिन

किसी भी बाथरूम का एक अभिन्न हिस्सा उसका वाशबेसिन होता है। इसका रंग बाकी एक्सैसरीज से मेल खाता हो तथा यह सही आकार में होना चाहिए अर्थात यह न ज्यादा छोटा हो और न ही ज्यादा बड़ा, क्योंकि दोनों से ही परेशानी हो सकती है। आप दीवार पर टंगने वाला वाशबेसिन भी चुन सकती हैं या फिर यह स्वतंत्र रूप से खड़ा होने वाला हो।

टायलैटरी होल्डर

साबुन ट्रे और टूथब्रश होल्डर बाथरूम में रखी जाने वाली महत्वपूर्ण और उपयोगी चीजें हैं। हालांकि ये चीजें बहुत छोटी और महत्वहीन लगती हैं, लेकिन इनके बिना निश्चित रूप से आपका बाथरूम अधूरा लगेगा। इसके अलावा आज रंगों और पैटर्न की बड़ी रेंज उपलब्ध होने से ये अद्भुत रूप से बाथरूम का केंद्र बिंदु बन सकते हैं। केवल यह सुनिश्चित करें कि ये बाकी की सजावट और रंगों से मेल खाते हों।

टायलैट रोल स्टैंड

यह आपको किसी महत्वहीन एक्सैसरी की तरह लग सकता है, लेकिन यकीनन यह सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली चीज है। गीली टॉयलैट सीट या फिर धोने के बाद हाथ पोंछने के लिए टिशू का अभाव किसी को भी पसंद नहीं होता। टॉयलैट रोल होल्डर खरीदते समय ध्यान रखें कि वह कवर वाला हो। ऐसा करने से शॉवर का इस्तेमाल करने पर टिशू रोल गीला नहीं होगा।

डस्टबिन

बेशक यह बाथरूम की सबसे अधिक महत्वपूर्ण चीजों में से एक है। आखिर आप रैपर, बेकार टिशू पेपर, टायलैटरीज जैसे साबुन, टूथपेस्ट आदि के बचे हुए टुकड़े अपने बाथरूम के फर्श पर तो गिराना नहीं चाहेंगे। कूड़े पर मक्खियों और कीड़ों को बैठने से बचाने के लिए कवर वाला कचरे का डिब्बा एक बेहतर विकल्प है। विशेष रूप से पैडल टाइप कवर वाले डिब्बे को खोलने और बंद करने के लिए आपको झुकना नहीं पड़ेगा।

लांड्री बास्केट

यह आवश्यक नहीं है, परंतु बाथरूम में एक अच्छी चीज है। लांड्री बास्केट होने से परिवार के सभी लोग धोने वाले कपड़ों को एक ही जगह रख पाएंगे और इससे हर कमरे में जाकर कपड़े ढूंढने की आपकी परेशानी समाप्त हो जाएगी।

बाथरूम में स्टाइलिश कैबिनेट

आपके बाथरूम में उपलब्ध जगह के अनुसार आप एक दर्पणयुक्त पैनल का विकल्प चुन सकती हैं, ताकि एक अतिरिक्त दर्पण की आवश्यकता समाप्त हो जाए।

ग्लास डोर कैबिनेट

इस कैबिनेट के डोर ग्लास के बने होते हैं जो देखने में शानदार लगता है। आप इसके अंदर सामान रख सकते हैं तथा इसे वाश बेसिन के ऊपर भी इंस्टॉल कर सकते हैं।

वैनिटी कैबिनेट

बाथरूम वैनिटी कैबिनेट कई स्टाइल में बाजार में उपलब्ध हैं। ढेरों ऑप्शन्स में से पसंदीदा डिजाइन चुन कर आप इन्हें बाथरूम के साइज के अनुसार सैट कर सकती हैं। यह आपको सिंगल वाश बेसिन या डबल वाश बेसिन दोनों ही तरह से मिल जाएगा। इसे सीधे फ्लोर पर भी रख सकते हैं। इसमें आपको मिरर लगा मिलेगा और वाश बेसिन भी साथ होगा। नीचे की तरफ काऊंटर बने होंगे जिनमें आप सामान रख सकते हैं, इस तरह हुआ न यह थ्री इन वन।

अल्मीरा कैबिनेट

ये कैबिनेट अलमारीनुमा है जिसे आप ज्यादा स्पेस वाले वाशरूम में रख सकते हैं। इसमें आपको सामान रखने की भरपूर स्पेस मिलेगी।

मिरर कैबिनेट

यदि बाथरूम छोटा हो तो आप मिरर कैबिनेट का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसमें कैबिनेट के दरवाजे में मिरर लगा होता है। यह कैबिनेट कम स्पेस को ध्यान में रखकर इस्तेमाल की जा सकती है।

वाल माऊंटेड कैबिनेट

इसे आप बाथरूम की दीवारों पर सैट कर सकती हैं, जिसमें सामान रखने के लिए कबर्ड तो होता ही है, टॉवल टांगने के लिए भी जगह होती है।

छिपाएं सौंदर्य की अनचाही कमियों को...

अवसर चाहे पार्टी का हो या अपनी सगाई और शादी का, सबसे सुंदर दिखना हर लड़की का सपना होता है और आज के माहौल में जहां हर किसी के पास समय का अभाव रहता है वहीं लेजर के माध्यम से कम समय में खूबसूरती पाने का प्रचलन काफी बढ़ गया है। लेजर के द्वारा आप अपने सौंदर्य की अनचाही कमियों को आसानी से छुपा सकती हैं।

ब्राइडल किट में आने वाली सुविधाएं

यह स्किन में बदलाव लाने वाली लेजर उपचार प्रणाली है जिसमें फेस में मौजूद दाग-धब्बों तथा चेहरे पर आई चोट के निशानों को हटाया जाता है। हेयर रिएक्शन बॉडी से अनचाहे बालो को हटाता है।

माइक्रोडर्मा ब्रेसन

यह एक नई तकनीक है जिसे लेजर फेशियल कहा जाता है जो त्वचा को आंतरिक चमक देती है। लेजर पद्धति की इन प्रक्रियाओं में सबसे ज्यादा लेजर फेशियल को पसंद किया जा रहा है।

टूथ व्हाइटनिंग

इस प्रक्रिया द्वारा दांतों की चमक को बढ़ा कर आपकी मुस्कान को सुंदर बनाया जाता है।

डर्मा सिल्क फेशियल

डर्मा सिल्क फेशियल के अंतर्गत डायमंड मोनो आक्साइड क्रिस्टल का प्रयोग किया जाता है जो त्वचा को गोरा तथा चमक प्रदान करता है। साथ ही त्वचा पर उम्र के पड़ने वाले प्रभावों को रोकता है। एक लेजर फेशियल आपको दस साधारण फेशियलों के बराबर लाभ देता है।

क्रोमोलाइट फेशियल

इस फेशियल के तहत डैड स्किन को हटाया जाता है और नई त्वचा के ऊपर पीली रंग की क्रोमोलाइट के द्वारा स्किन के भीतरी तत्वों का उपचार किया जाता है जो त्वचा को पोषण प्रदान करने वाले भागों को सक्रिय करता है। यह साधारण तौर पर लिए जाने वाले फेशियल से पांच गुणा अधिक लाभ पहुंचाता है।

जनसंपर्क एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री ने रीवा शहर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की

रीवा में आईटी पार्क के लिये 30 करोड़ रूपये स्वीकृत

पुष्पांजली टुडे

रीवा। प्रदेश के जनसंपर्क एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सर्किट हाउस राजनिवास में बैठक लेकर रीवा शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल एवं अध्यक्ष नगर पालिक निगम रीवा श्री व्यंकटेश पाण्डेय संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में श्री शुक्ल ने निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिये कि पूरी गुणवत्ता के साथ निश्चित समय सीमा में सभी निर्माणाधीन कार्यों को पूरा करायें तथा अप्रारंभ कार्यों को तत्काल प्रारंभ करायें। उन्होंने कहा कि रीवा शहर व विधानसभा को प्रदेश की अग्रणी विधानसभा बनाने के साथ ही रीवा शहर को महानगर बनाने के लिये कृत संकल्पित हूँ। श्री शुक्ल ने बताया कि रीवा शहर में 30 करोड़ रूपये से आईटी पार्क की स्थापना कराई जा रही है जिसका निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। यह आईटी पार्क युवाओं को स्वावलंबी बनाने व रोजगार मुहैया कराने की दिशा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा इससे युवाओं के लिये रोजगार के सुनहरे द्वार खुलेंगे।श्री शुक्ल ने रीवा में हवाई अड्डा निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि मार्च तक कार्य पूर्ण करायें ताकि मार्च से रीवा में बड़े हवाई जहाज उतरने लगें। इस दौरान बताया गया कि हवाई पट्टी के पुराने 1400 मीटर रनवे का कार्य पूर्ण हो गया है शेष विस्तारित 400 मीटर रनवे का कार्य प्रगति पर है इसके साथ ही टर्मिनल बिधल्डग, सर्विस रोड सहित बाउंड्रीबाल आदि का कार्य नियत समय में पूरा करा लिया जायेगा। उल्लेखनीय है कि रीवा हवाई अड्डे में रात्रि कालीन उड़ान की सुविधा के अनुसार भी कार्य कराये जा रहे हैं। श्री शुक्ल ने औद्योगिक केन्द्र गुड़ में बाणसागर की नहर से पानी पहुंचाने की व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी ली। विदित हो कि 16 करोड़ रूपये की लागत से गुड़ औद्योगिक क्षेत्र व नगर परिषद गुड़ में पानी पहुंचाया जायेगा। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि भैरव बाबा मंदिर तक भी पानी पहुंचाया

जाना सुनिश्चित करें। बैठक में मंत्री श्री शुक्ल ने सिरमौर चौराहा रीवा में नवनिर्मित फल एवं सब्जी, बाजार में सभी फल एवं सब्जी फल के विक्रेताओं को व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने के निर्देश दिये तथा कहा कि बाजार का शीघ्र लोकार्पण करायें। उन्होंने रतहरा तालाब का कार्य पूर्ण कराकर 6 जनवरी को लोकार्पण कराने के लिये निर्देशित किया तथा पचमठा आश्रम में साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। श्री शुक्ल ने रीवा शहर की सफाई के लिये दो अतिरिक्त स्वीपिंग मशीन क्रय किये जाने की बात कही। उन्होंने पुर्नघनत्वीकरण योजनान्तर्गत सर्किट हाउस निर्माण कार्य का अप्रैल में तथा सिविल लाइन पार्क का 14 जनवरी को लोकार्पण कराने के निर्देश निर्माण एजेंसी को दिये। श्री शुक्ल ने व्यंकट क्लब तथा जिला अस्पताल में निर्माणाधीन ओपीडी निर्माण कार्य की अद्यतन स्थिति के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर की रोटरी के सुधार व सौन्दर्यीकरण का कार्य करायें तथा चोरहटा से रतहरा मार्ग के डिवाइडर में शेष भाग में वृक्षारोपण कार्य करायें। इस दौरान अधीक्षण यंत्री नगर निगम शैलेन्द्र शुक्ल, एसडीएम हुजूर डॉ. अनुराग तिवारी सहित विभिन्न निर्माण विभागों के अधिकारी तथा निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सहकारी समिति की सदस्यता सूची को अंतिम रूप,देने क लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

पुष्पांजली टुडे

रीवा।. जिले की विभिन्न सहकारी समितियों की सदस्यता सूची को अंतिम रूप देने के लिए निर्वाचन प्राधिकारी मध्यप्रदेश राज्य सहकारी एमबी ओझा द्वारा रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। सरदार वल्लभ भाई पटेल महिला दुग्ध सहकारी समिति रामपुर तथा ककरेड़ी के लिए सहकारी निरीक्षक अनिल कुमार गुप्ता, दुग्ध उत्पादन सहकारी समिति चकदही के लिए सहकारी निरीक्षक मनीष जैन, प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति शिवराजपुर के लिए वनपाल संजय वर्मा, दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति तमरादेश के लिए सहकारी निरीक्षक नीलेश पाण्डेय, महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति डाड़ के लिए सहकारी निरीक्षक केएस मरावी, दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति बरहा मुड़वार के लिए उप अंकेक्षक बीएल कनौजी तथा दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मनिकवार के लिए सहकारी निरीक्षक एमएल साकेत को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है। जबकि दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति उमरी सिरमौर के संचालक मण्डल के सदस्यों एवं अन्य पदाधिकारियों व प्रतिनिधियों को संस्थाओं में भेजे जाने के लिए निर्वाचन हेतु सहकारी निरीक्षक श्रीमती रीना श्रीवास्तव को रिटर्निंग अधिकारी बनाया गया है।

कमिश्नर आज विभिन्न विभागों की करेंगे समीक्षा

पुष्पांजली टुडे

रीवा।. रीवा संभाग के कमिश्नर अनिल सुचारी 7 दिसम्बर को खनिज विभाग, आबकारी विभाग तथा परिवहन विभाग के कार्यों की समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित की गई है। कमिश्नर प्रात- 11 बजे से 11.30 बजे तक खनिज विभाग, प्रात- 11.30 से दोपहर 12 बजे तक आबकारी विभाग तथा दोपहर 12 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक परिवहन विभाग की समीक्षा करेंगे। सभी संबंधित अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

अनिल कुशवाह

पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- आनंद संस्थान इकाई शिवपुरी एवं एंजिल आनंद क्लब द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस बुधवार को शिवपुरी वात्सल्य बाल भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आश्रम में निवासरत निराश्रित बच्चों के साथ खेल एवं नाश्ते के साथ किया गया।कार्यक्रम में सभी उपस्थित सदस्यों ने डीपीएल कार्यालय में साफ सफाई का योगदान दिया। तदोपरांत आनंद ग्राम रातौर में सरपंच की उपस्थिति में ग्राम वासियों को ग्राम को स्वच्छ रखने की जागरूकता का दो घंटे का सत्र आयोजित किया जिसमें सभी उपस्थित ग्राम वासियों ने सेवा के महत्व को जाना जिसमें प्रेम प्रकाश सिरोलिया, रिजवाना खान, बीना गोलिया, तनुजा गर्ग ने अपने जीवन के अनुभव के आधार पर सेवा का महत्व बताया जबकि अभय जैन और विजित जैन ने एक संवाद आधारित क्रियाकलाप के माध्यम से जीवन में सेवा की अनिवार्यता एवं आनंद के महत्व पर प्रकाश डाला।स्वल्पाहार के साथ आनंद ग्राम रातौर के सत्र का समापन कर सभी आनंदम केंद्र फिजिकल कॉलेज शिवपुरी पर सेवा देने हेतु उपस्थित हुए। जिसमें सभी सदस्यों ने अनुपयोगी वस्त्रों को अलग किया और उपयोगी वस्तुओं को क्रम में रखने का कार्य किया। अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस पर डीपीएल एवं अभय जैन, मास्टर ट्रेनर प्रेम प्रकाश सिरोलिया, मास्टर ट्रेनर एवं एंजिल क्लब उपाध्यक्ष विजित जैन, आनंदक एवं एंजिल आनंद क्लब सचिव तनुजा गर्ग, आनंदक एवं एंजिल आनंद क्लब प्रतिनिधि ज्ञानज्योति जैन एवं बीना गोलिया एवं मास्टर ट्रेनर एवं एंजिल आनंद क्लब अध्यक्ष रिजवाना खान ने उपस्थित रहकर सेवा कार्य में योगदान दिया।

एयरपोर्ट निर्माण से जुड़े सभी कार्य समय सीमा में पूरा करें - कलेक्टर

कलेक्टर ने निर्माणाधीन रीवा एयरपोर्ट के कार्यों का किया निरीक्षण

पुष्पांजली टुडे

रीवा।रीवा एयरपोर्ट का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने एयरपोर्ट विकास से जुड़े निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कहा कि एयरपोर्ट निर्माण से जुड़े सभी निर्माण कार्य समय सीमा में पूरा करें। निर्माण कार्यों के लिए आवश्यक भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। निर्माण कार्य में किसी भी तरह की कठिनाई आने पर तत्काल अवगत कराएं। एसडीएम हुजूर इन कठिनाईयों को तत्परता से दूर कराकर निर्माण कार्यों को पूरा कराने में सहयोग करें। एयरपोर्ट के सीमा क्षेत्र में बड़े टावर लगाने तथा अधिक ऊंचाई के निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध रहता है। इस

संबंध में तत्काल आदेश जारी कराकर आमजनों को अवगत कराएं। कलेक्टर ने कहा कि रनवे का कार्य लगभग पूरा हो गया है। सड़क निर्माण, एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर तथा टर्मिनल भवन का निर्माण कार्य भी जनवरी माह तक पूरा कराएं। एयरपोर्ट की बाउन्ड्रीवॉल का निर्माण प्राथमिकता से कराएं। मौके पर उपस्थित एयरपोर्ट अथारिटी के अधिकारियों तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों ने बताया कि एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर का निर्माण 15 जनवरी तक पूरा हो जाएगा। टर्मिनल भवन तथा सड़क निर्माण भी 15 फरवरी तक पूरा हो जाएगा। एयरपोर्ट में 1800 मीटर रनवे का कार्य पूरा हो गया है। इसके शोल्डर का निर्माण कार्य जारी है। इसे एक माह में पूरा कर लिया जाएगा। इस अवसर पर एसडीएम हुजूर डॉ अनुराग तिवारी, तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला, एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया के अधिकारी तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना पर तत्कालीन सीएमओ को लगी फटकार, निकाले गए कर्मचारियों एक वर्ष का वेतन देनें के सख्त निर्देष -

पुष्पांजली टुडे

रीवा। नगर पंचायत गुड़ में विगत 10-12 वर्षो से दैनिक वेतन भोगी के रूप में कार्य करनें वाले 18 कर्मचारियों को नगर पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह द्वारा तानाशाही रवैया अपनाते हुंऐ सेवा से पृथक कर दिया था उपरोक्त आदेश से दुखित होकर सभी कर्मचारी माननीय उच्च न्यायालय में नगर पंचायत के आदेश के विरूध्द वाद दायर किया था जिसका वाद क्रमांक स्वछवण् 25814 वि. 2022 जिस पर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा नगर पंचायत गुड़ के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दिनांक 14.11.2022 को आदेश दिया था कि पूर्व में जो कर्मचारी नगर पंचायत गुड़ में दैनिक वेतनभोगी के रूप में कार्य कर रहे थे उनकी शीघ्र ज्वाइन कराई जाय तथा उनके वेतन का भी भुगतान कराया जाय परन्तु नगर पंचायत अध्यक्ष अर्चना सिंह माननीय उच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना करते हुऐ मुख्य नगर पालिका अधिकारी गुड़ को मौखिक आदेश दिया था कि किसी भी हालत में उपरोक्त कर्मचारियों की ज्वाइनिंग नहीं कराई जायेगी उसी के तहत सीएमओ गुड़ द्वारा उपरोक्त कर्मचारियों को एक वर्ष तक न तो ज्वाईन कराया गया न तो उन्हे वेतन नहीं दिया गया। कर्मचारियो की ओर से पैरवी कर रहे माननीय उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता लवकुश मिश्रा नें माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी दलील प्रस्तुत की और कहा कि न्यायालय के आदेश की अवमानना करने वाले सीएमओ व नगर परिषद अध्यक्ष के विरूध्द शीघ्र कार्यवाही करनें की मॉग न्यायालय से की जिस पर दिनांक 05.12.2023 को न्यायालय में उपस्थित होकर कर्मचारियों को ज्वाईन न कराने का जबाब देने हेतु सीएमओ को बुलाया गया न्यायालय के आदेश का पालन करनें के लिये प्रभारी सीएमओ विजय प्रताप सिंह द्वारा न्यायालय के आदेष का परीक्षण किया और आनन फानन में तत्काल नगर परिषद के अध्यक्ष को सूचित किया और दिनांक 02.12.2023 को न्यायालय के आदेष के तहत उपरोक्त कर्मचारियो को ज्वाइनिंग करा लिया तथा दिनांक 05.12.2023 को माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष सीएमओ नगर परिषद गुड़ नें उपस्थित होकर अपना जबाब प्रस्तुत किया कि मेरे द्वारा समस्त कर्मचारियों कि ज्वाइनिंग करा ली है। जिस पर माननीय उच्च न्यायालय नें सीएमओ गुड़ को पटकार लगाते हुऐ पूँछा कि न्यायालय द्वारा आपको 14.11.2022 को कर्मचारियों की ज्वाइनिंग करानें हेतु आदेशित किया गया जिस पर आपके द्वारा 02.12.2023 यानि एक वर्ष तक ज्वाइन क्यों नहीं कराया गया जिस पर सीएमओ नें कोई जबाब नहीं दिया । माननीय उच्च न्यायालय द्वारा सीएमओ, नगर परिषद गुढ एवं अध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह को फटकार लगाते हुऐ सख्त निर्देष दिये है कि एक माह के अन्दर पूरे एक वर्ष का वेतन उपरोक्त कर्मचारियो को शीघ्र भुगतान करें और दिनांक 22.01.2024 को उपस्थित होकर न्यायालय को अवगत करायें और यदि ऐसा नहीं किया गया तो जिम्मेंदार अधिकारियो के विरूध्द शीघ्र कार्यवाही की जावेगी।

कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की

कंदैला नलजल योजना से 31 दिसम्बर तक सभी गांव में पानी पहुंचाएं - कलेक्टर

पुष्पांजली टुडे

रीवा। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि कंदैला समूह नलजल योजना के सभी निर्माण कार्य पूरे कराकर 31 दिसम्बर तक सभी 113 गांवों में पानी पहुंचाएं। कई बार समय वृद्धि के बावजूद इस नलजल योजना के निर्माण कार्य में अपेक्षा के अनुसार तेजी नहीं है। इसमें किसी भी तरह की कठिनाई को तत्काल दूर किया जाएगा। अतिरिक्त मशीनें तथा श्रमिक तैनात कर गांव में पाइपलाइन बिछाने, स्टैण्ड पोस्ट लगाने एवं घरों में कनेक्शन देने का कार्य समय सीमा में कराएं। पीएचई विभाग के अधिकारी नलजल योजना से दिए जा रहे पानी की गुणवत्ता की नियमित जाँच करें। नलजल योजना के निर्माण, संचालन तथा संधारण की कठिनाईयों को दूर करने के लिए सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, स्वसहायता समूह एवं जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के साथ बैठक आयोजित करें। इसकी मॉनीटरिंग जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी करेंगे। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि रीवा बाणसागर समूह नलजल योजना कार्य तेजी से पूरा कराएं। वन भूमि से अनुमति के लिए तत्काल प्रस्ताव प्रस्तुत करें। पाइपलाइन बिछाने तथा टंकियों के निर्माण का कार्य तेजी से शुरू कराएं। हनुमना में सर्वे का काम तत्काल पूरा कराएं। टमस समूह नलजल योजना का

निर्माण कार्य आरंभिक चरण में है। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तथा इंटेक वेल के निर्माण के साथ-साथ टंकियों के निर्माण एवं पाइपलाइन बिछाने का कार्य भी तेजी से पूरा कराएं। पीएचई विभाग की नलजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि लंबित निर्माण कार्य पूरा कराने के लिए विशेष प्रयास करें। पूर्ण नलजल योजनाओं का संचालन स्वसहायता समूह अथवा ग्राम स्तरीय समिति से कराने के लिए जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के साथ बैठक आयोजित करें। पूर्ण नलजल योजनाओं की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों को सौंपें। बैठक में जल निगम के महाप्रबंधक रीवा चित्रांशु ने बताया कि कंदैला समूह नलजल योजना का कार्य 15 जनवरी तक पूरा हो जाएगा। अभी 19 गांवों में लीकेज की समस्या के कारण पूरे गांव में पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इसे शीघ्र ही दूर किया जाएगा। रीवा बाणसागर समूह नलजल योजना में इंटेक वेल तथा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य जारी है। वन विभाग के साथ संयुक्त सर्वेक्षण कर लिया गया है। पानी की टंकियाँ जिंक और एल्युमीनियम से बनाई जाएंगी। इन्हें प्री कास्ट मटेरियल से तैयार कर तेजी से बनाया जाएगा। टमस समूह नलजल योजना से सितम्बर 2024 तक पानी की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ सौरभ सोनवणे, कार्यपालन यंत्री संजय पाण्डेय, महाप्रबंधक जल निगम सतना नीरव अग्रवाल, उप प्रबंधक नीतेश सिंह, कार्यपालन यंत्री मैकेनिकल डीएल कनेल तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रोफेसर श्री निवास सिंह को एजुकेशनिस्ट ऑफ़ द ईयर अवार्ड 2023 से अलंकृत किया गया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर एबीवी आई आई आई टी एम ग्वालियर के निदेशक प्रोफेसर श्री निवास सिंह को देश के प्रतिष्ठित सम्मान एजुकेशनिस्ट ऑफ़ द ईयर 2023 से अलंकृत किया गया है। सम्मान समारोह उत्तर प्रदेश की ढ्ढश्वश्वश्व सेक्शन के द्वारा आयोजित किया गया। इस शुभ अवसर पर प्रोफेसर सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती वंदना सिंह भी उपस्थित रही। उत्तर प्रदेश ढ्ढश्वश्वश्व शाखा के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा यह अवार्ड उन्हें प्राप्त हुआ । उन्हें ढ्ढश्वश्वश्व ष्ष्द्गह्यह्य के वरिष्ठ संपादक के रूप में भी चुना गया है।उनकी इस उपलब्धि पर ढ्ढश्वश्वश्व के सभी वरिष्ठ अधिकारियों एवम संस्थान के सभी सदस्यों द्वारा बधाई दी गई।

दीपा सिंह सिसोदिया
मीडिया प्रभारी

बाबा साहब अंबेडकर ने संविधान में हर नागरिक को मौलिक अधिकार प्रदान किया: डॉ. देवेन्द्र शर्मा

ग्वालियर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी ग्वालियर ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 67वी पुण्यतिथि पर फूलबाग स्थित डॉ. अंबेडकर उद्यान में डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा स्थल पर कांग्रेस ने पुष्पांजली अर्पित कर नमन किया। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र शर्मा ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी को पुष्पांजली अर्पित करते हुए कहा कि भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी भारत के प्रथम कानून मंत्री रहे व भारत की संविधान निर्माण की प्रारूप समिति के अध्यक्ष रहे? इस समिति के अध्यक्ष रहते हुए उन्होने हर वर्ग के लोगो का ध्यान रखते हुए संविधान का निर्माण किया, उनका संपूर्ण जीवन सादगी भरा रहा, बाबा साहब अंबेडकर ने संविधान में हर नागरिक को मौलिक अधिकार प्रदान किया, हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर तथा उनके द्वारा बताये गये मार्गो पर चलकर देश की उन्नति में भागीदार बनना होगा। कार्यक्रम में विधायक डॉ. सतीष सिंह सिकरवार, पूर्व

सांसद राम सेवक सिंह बाबूजी, सुनील शर्मा, ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष प्रभुदयाल जोहरे, पूर्व विधायक मदन कुशवाहा कार्यवाहक अध्यक्ष अमर सिंह माहौर वीर सिंह तोमर चतुर्भुज धनौलीया प्रदेश प्रवक्ता राम पांडे युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव हैदरन सिंह कसाना आनंद शर्मा अवधेश कौरव, जेएच जाफरी योगेंद्र सिंह नेनोश महबूबा खां चैन वाले सरवन राय कृष्णराव दीक्षित, रसीद पहलवान अवधेश कौरव, अशोक प्रेमी, सुधीर मंडेलिया, विनोदकुमार जैन,महेश मधुरिया मुनेंद्र भदौरिया, हितेंद्र यादव, देवेंद्र चौहान, महादेव अपोरिया, अनूप शिवहरे धर्मेंद्र शर्मा धीरू, तरुण यादव, संजीव दीक्षित, अविनाश गौर, राजीव शर्मा, पंचम भदौरिया, जसवंत सेजवार, भूपेंद्र तोमर, सोनू भदौरिया, पुरुषोत्तम बनोरिया, सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कार्यवाहक अध्यक्ष महाराज सिंह पटेले ने किया।

ग्वालियर का समुचित विकास मेरी जबाबदारी: सिंधिया

ग्वालियर। चेंबर अध्यक्ष डा. प्रवीण अग्रवाल ने आज दिल्ली यात्रा के दौरान केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात की और उन्हें मप्र में भाजपा की अभूतपूर्व जीत की बधाई दी और ग्वालियर के चहुमुखी विकास पर चर्चा भी की।इस अवसर पर एमपीसीसीआई क्रिकेट मैच का आयोजन जो 17 दिसंबर को रूप सिंह स्टेडियम मे किया जा रहा है उसमे मुख्यातिथि के रूप मे पधारने का आग्रह भी किया और उन्हें एमपीसीसीआई का इस संबंध में आग्रह पत्र भी प्रेषित किया। इस पर केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, मैं पूरा प्रयास करूंगा की क्रिकेट मैच के इस भव्य आयोजन मे शामिल हो पाऊ। वही ग्वालियर के चहुंमुखी विकास की जबाबदेही मेरी है जिसमे कोई कमी नहीं आएगी।

सीमा सुरक्षा बल ने किया स्कूल सेफ्टी एवं जागरूकता अभियान का आयोजन

टेकनपुर /ग्वालियर। बीएसएफ अकादमी में गत दिवस स्कूल सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान के तहत सीमा सुरक्षा बल आपदा प्रत्युत्तर संस्थान (बीआईडीआर) की स्थापना दिवस पर स्कूल सेफ्टी एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। ज्ञातव्य है कि आपदा प्रत्युत्तर संस्थान (बीआईडीआर) की स्थापना 20 अप्रैल 2005 को सीमा सुरक्षा बल अकादमी में की गई थी। आपदा प्रत्युत्तर हेतु कार्य कर रही सरकारी और सिविल ऐजेंसियों को प्रशिक्षण प्रदान करने में इस संस्थान ने एक अग्रणी केन्द्र के रूप में कार्य किया है। इस संस्थान के द्वारा आस-पास के गाँवों और विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम का भीआयोजन किया जाता है जिसमें ग्रामिणों, विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को प्राकृतिक आपदाओं व मानव निर्मित आपदाओं से राहत-बचाव के बारे में जानकारी दी जाती है। साथ ही प्राथमिक उपचार, सीपीआर इत्यादि की भी

जानकारी व डेमो भी प्रदर्शित किया जाता है।इसी क्रम मे गत दिवस 5 दिसम्बर 2023 को केन्द्रीय विद्यालय दतिया (मध्य प्रदेश) में स्कूल सेफ्टी एवं जागरूकता अभियान के अन्तर्गत बी0आई0डी0आर0, बी0एस0एफ0 अकादमी टेकनपुर के अनुदेशकों द्वारा स्कूल के शिक्षको और विद्यार्थियों के लिए प्रथम चिकित्सीय उपचार के तौर पर निम्नलिखित विषयों पर लेक्चर एवं डेमों का आयोजन किया गया। जिसमें

1. भुकम्प से बचाव की तैयारिया (प्रीप्रेडनेस)
2. हृदय और लीवर कोपुनर्जीवितकरना (सीपीआर)
3. रक्त स्त्राव और आघात (हीमोरेज एंड शॉक)
4. खप्पची बाँधना (स्पीलिंन्टिंग)
5. उठाना औरले जाना (लिफिटिंग एंड मूविंग)

इस दौरान इस संस्थान के रितेश ठाकुर, उप कमाण्डेंट एवं अन्य सहयोगियो द्वारा विभिन्न प्रकार की आपदाओं के बारे में जानकारी दी गई, साथ ही डेमों और अभ्यास भी कराया गया ताकि आपदा के समय शिक्षक व छात्रगण राहत और बचाव के कार्यों को मुस्तैदी के साथ कर सके। कार्यक्रम में ब?ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र शामिल हुए।

दिग्गजों के हारने पर नेता प्रतिपक्ष की लाटरी लगेगी फूलसिंह बरैया की ....?

ग्वालियर/ भोपाल। कांग्रेस को अब मध्यप्रदेश में नेता प्रतिपक्ष का दमदार चेहरा मिल गया है। नेता प्रतिपक्ष डा गोविंद सिंह के हारने के बाद अब मध्यप्रदेश में नेता प्रतिपक्ष के रूप में भांडेर से जीते दिग्गज दलित नेता फूलसिंह बरैया पर सभी कांग्रेस नेताओं व आलाकमान की निगाह है। कांग्रेस अब इस दिग्गज दलित नेता फूलसिंह बरैया को यह जिम्मेदारी दे सकती है। ताकि कांग्रेस से दूर होते दलित वर्ग में पैठ बनाई जा सके। वैसे भी इंजीनियर फूलसिंह बरैया पूरे प्रदेश में दलित वर्ग के सबसे बडे दिग्गज नेता व दमदार चेहरे के रूप में उभरे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व दिग्विजय सिंह के लाडले फूलसिंह बरैया काफी समय से विधानसभा से बाहर थे। इस बार भांडेर जीत से उनकी भाग्य लॉटरी खुल गई है। सबसे

प्रमुख बात यह है कि प्रदेश में कांग्रेस के अधिकांश दिग्गज नेता चुनाव हार गये हैं। जिससे फूलसिंह बरैया को यह जिम्मेदारी मिलने की संभावना बढ गई है। वैसे भी पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी संम्हाले हैं। एक व्यक्ति एक पद के तहत उन्हें एक पद रखना हैं। इसी कारण डॉ गोविंद सिंह , सज्जन सिंह वर्मा, तरूण भानोत, राकेश चौधरी, केपी सिंह जैसे दिग्गजों के हारने के बाद अब फूलसिंह बरैया को कांग्रेस पार्टी दलित वर्ग को साधने के लिये नेता प्रतिपक्ष बनाकर दलित चेहरे के रूप में पेश कर सकती है। हम यहां बता दें कि भाजपा के 50 सीटों पर सिमटने का दावा करने वाले फूलसिंह बरैया ने दावा झूंठा निकलने पर स्वयं मुंह काला करने का ऐलान किया था। अब चूंकि भाजपा प्रचंड बहुमत में आ गई है तो वह स्वयं अपना मुंह सात दिसम्बर को विधानसभा में काला करने की बात की पुष्टि कर देशभर में चर्चा में भी है। बरैया वैसे दलित वर्ग के इस समय प्रदेश में सबसे बडे ब्रांड हैं।

59 वे स्थापना दिवस पर बीएसएफ में किया रक्तदान शिविर का आयोजन

टेकनपुर/ ग्वालियर। सीमा सुरक्षा बल ने कल चार दिसंबर को 59 वे स्थापना दिवस के अवसर पर बीएसएफ द्वारा किये जा रहे कल्याणकारी गतिविधियों की श्रंखला में संयुक्त चिकित्सालय बीएसएफ टेकनपुर में जिला अस्पताल मुरार की ब्लड बैंक टीम के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उदघाटन बीएसएफ अकादमी के निदेशक अपर महानिदेशक रवि गांधी ने किया। इस अवसर पर आईजी एवं संयुक्त निदेशक अकादमी बीके झा, आईजी मेडीकल डा एके त्रिवेदी एवं अन्य सीनियर अधिकारियों ने रक्त दान शिविर में आये कार्मिकों का हौंसला बढाया। रक्तदान शिविर सुबह नौ बजे से अपरान्ह तीन बजे तक संपन्न हुआ। इसमें सीनियर अधिकारियों अधीनस्थ अधिकारियों एवं अन्य कार्मिकों ने बढ चढकर हिस्सा लेकर देश सेवा के प्रति समर्पण भव को परिलक्षित करते हुये 150 यूनिट ब्लड का रक्त दान किया। इस दौरान संयुक्त चिकित्सालय बीएसएफ के सभी चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य मेडीकल स्टाफ ने अपनी ओर से चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई ।

क्या नारू दादा को हरवाया गया ? ,दतिया में गली-गली चर्चा

ग्वालियर। क्या गृहमंत्री डा नरोत्तम मिश्रा के लिये भाजपा मूल संगठन के लोगों ने जान बूझकर काम नहीं किया या उन्हें भाजपाईयों ने जान बूझकर खिलाफ वोटिंग करवा कर हरवा दिया। यह आजकल दतिया में गली-गली चर्चा का विषय है। दतिया के आम लोगों को गृहमंत्री डा नरोत्तम मिश्रा यानि सबके चहेते दादा बनाम नारू दादा की हार पच नहीं रही है। लोग रूआंसे है और वाटसएप व सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर तरह -तरह की बात भी कर रहे हैं कि उन्हें जानबूझकर ईशारा करके हरवा गया है ताकि वह सीएम पद की दावेदारी में अड न जायें।

इस सबके बाद हालांकि डा नरोत्तम मिश्रा ने प्रत्यक्ष कुछ नहीं कहा है, लेकिन उन्होने शेरों और शायरी में अपनी पीडा जरूर व्यक्त कर दी है। उन्होंने बीती देर रात रेल से भोपाल जाते वक्त भी यह कहा कि चुप हो जाओ जालिमों, तेरी जीत से ज्यादा मेरी हार के चर्चे हैं।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के परिणामों ने सिर्फ कांग्रेस को नहीं बल्कि सत्ता पक्ष को भी हैरान किया है। शिवराज कैबिनेट के 33 में से 12 मंत्री चुनाव हार गए. जिसमें सबसे बड़ा नाम प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का है, जो दतिया विधानसभा सीट से चुनाव हारे है । जबकि हर सर्वे व रिपोर्ट में डा नरोत्तम मिश्रा की सीट सबसे सुरक्षित मानी जाती रही है। वहीं इस हार के बाद नरोत्तम मिश्रा के लगातार वीडियो सामने आ रहे हैं, जिसमें कभी वे भावुक होते नजर आ रहे हैं, तो कभी शेरो-शायरी कर रहे हैं।

बीजेपी नेता नरोत्तम मिश्रा की हार सियासी चर्चा का विषय बन गई है. किसी को यकीन नहीं था कि प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा यह चुनाव हार जाएंगे. वहीं हार के बाद वह

भावुक हुए। डा नरोत्तम मिश्रा रेलवे स्टेशन में ट्रेन की गेट पर खड़े होकर कहा कि इतना भी गुमान न कर अपनी जीत पर ए बेखबर...तेरी जीत से ज्यादा चर्चे मेरी हार के हैं।

वहीं इससे पहले उन्होंने यह कहा था कि मुझे हारा हुआ समझने की गलती मत कीजिएगा, समुद्र का लौटता हुआ पानी उतरता हुआ दिखे तो वहां घर पर मत बना लेना, मैं वापस लौटकर आऊंगा और दोगुनी गति व ऊर्जा से वापसी करूंगा।

वहीं इस शायरी को लेकर भी कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। जानकारों का कहना है की नरोत्तम मिश्रा एक अलग अंदाज के व्यक्ति हैं और जिस तरह से उनको यह हार का झटका लगा है. वह उससे काफी विचलित हुए हैं। यही वजह है कि वह अपने कार्यकर्ताओं के सामने इस तरह शायरी कहकर एक संदेश दे रहे हैं।

पिछले 30 साल से लगातार जीतते आ रहे नरोत्तम मिश्रा बीजेपी सरकार में एक कद्दावर मंत्री रहे हैं। उन्हें संकट मोचक भी कहा जाता रहा है। 2019 में ऑपरेशन लोटस में भी उनकी भूमिका थी और कमलनाथ सरकार गिराने में उनका अहम रोल था। सरकार जब किसी मुददे पर घिरती थी, तो नरोत्तम मिश्रा फ्रंट फुट पर आकर सरकार के बचाव में खड़े हो जाते थे और विपक्ष के सवालों का जवाब देने को तैयार रहते थे।

वहीं दतिया के ही कुछ लोगों का कहना है कि नारू दादा को उनके खास लोगों का जमावडा व उनका हमेशा नारू दादा से चिपका रहना ले डूबा, जिससे आम लोगों से उनकी दूरियां बढती गई । जबकि पूर्व में यही नारू दादा दतिया के लोगों की आंखों का तारा थे।

सर्किल जेल शिवपुरी में एचआईव्ही एड्स जागरूकता कार्यक्रम, पेम्पेलेट एवं बैनर प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- शासन के निर्देशानुसार जिले में 01 से 15 दिसम्बर तक विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा मनाये जाने के अनुक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शिवपुरी द्वारा गठित चार सदस्यीय दल ने गतदिवस सर्किल जेल शिवपुरी में विश्व एड्स दिवस एवं एचआईव्ही एड्स जागरूकता कार्यक्रम एवं पेम्पेलेट एवं बैनर प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया।उक्त कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय से ए.आर.टी. काउंसलर नित्य प्रकाश मिश्रा,

एस.टी.आई. काउंसलर राजकुमार मारू, एस.एस.के डाटा मेनेजर सोनू जाटव, ओ.आर.डब्ल्यू (सम्पूर्ण सुरक्षा केन्द्र) हेमलता प्रजापति आदि उपस्थित रहे।जेल अधीक्षक रमेशचन्द्र आर्य द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए टीम के सदस्यों का स्वागत किया व अपने उद्बोधन में बंदियों को एड्स से संबंधित बीमारियों से पहले ही बचाव के लिए जागरूक एवं सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया।इस कार्यक्रम में राजकुमार मारू व नित्य प्रकाश मिश्रा द्वारा सर्किल जेल शिवपुरी में निरुद्ध समस्त 50 पुरुष एवं महिला बंदियों को विश्व एड्स तथा एचआईवी एड्स के संबंध में रोचक एवं सरल भाषा में एचआईवी संक्रमित होने के माध्यम, उनसे बचाव के उपाय तथा एड्स के दुष्परिणाम तथा उपचार के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई।इस दौरान जेल अधीक्षक रमेशचन्द्र आर्य, उप जेल अधीक्षक दिलीप सिंह, जेल चिकित्सक डॉ.जलज शर्मा, सहायक जेल अधीक्षक शिल्पा छत्तर एवं अन्य जेल स्टाफ उपस्थित था। कार्यक्रम के अंत में सर्किल जेल शिवपुरी के जेल अधीक्षक रमेशचन्द्र आर्य द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

भाजपा से बागी हुये नेता अब फिर भाजपा की शरण में जाने को बेताव

ग्वालियर। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी छोडकर कांग्रेस में शामिल होने तथा कांग्रेस द्वारा सरकार से कोसों दूर होने के बाद से अब भाजपा से बागी हुये नेता फिर से भाजपा में अपनी जमीन तलाशने के लिए भाजपा नेताओं की चौखट पर दस्तक देने लगे हैं। यह नेता कांग्रेस में जाने को अपनी भूल मानकर भाजपा में वापसी का इंतजार कर रहे हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा में पार्टी के कुछ नेता विभिन्न सभाओं में भाजपा का दामन छोडकर

कांग्रेस का दामन थाम चले गये थे। इन नेताओं को प्रदेश में कांग्रेस की बयार लग रही थी, उनका सोचना था कि यदि कांग्रेस सत्ता मे आ गई तो वह फिर से अपने को वरिष्ठ नेता साबित कर अपने क्षेत्र में कांग्रेस से लाभ ले जायेंगे। इनमें एक पूर्व विधायक मदन कुशवाह भी हैं, जो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के सामने कांग्रेस में शामिल होने चले गये थे और उन्होंने उस समय कांग्रेस का मंच भी साझा का अपनी तस्वीरें भी खिंचवाई थी। वहीं तीन दिसंम्बर को जैसे ही विधानसभा चुनावों के परिणाम भाजपा के पक्ष में आए वैसे ही कांग्रेस की चौखट पर पहुंचे यह कददावर नेता अब अपनी वापसी के लिए प्रयास करने लगे हैं। यह नेता भाजपा के नेताओं की चौखट पर जाकर अपनी वापसी की गुहार करने लगे हैं। वह कांग्रेस में जाना अपनी भूल बता रहे हैं ।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478